राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 05 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-167 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन, शोक में डूबा झारखंड

रांची (एजेंसी)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और तीन बार मुख्यमंत्री रहे शीबू सोरेन का 81 साल की आयू में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली। इससे पहले वे किडनी की समस्या से जूझ रहे थे और बीते एक माह से अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन की खबर मिलते ही झारखंड से लेकर दिल्ली तक शोक की लहर दौड़ गई और कई दिग्गज नेताओं ने उन्हे विनम्र श्रृद्धांजलि देते हुए उन्हे एक सच्चा समाज सेवी की संज्ञा दी है साथ कहा है कि गरीब आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ने वाला नेता खो दिया है।

शिबू सोरेन पिछले कई वर्षों से बीमार चल रहे थे और उन्हें जून के आखिरी सप्ताह में गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीते कुछ दिनों से उनकी हालत

नाजुक बनी हुई थी और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। उनके निधन की जानकारी के बाद पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। शिबू सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद दिल्ली में मौजूद हैं और अस्पताल में ही थे जब उन्होंने अपने पिता को खो दिया। शिबू सोरेन के निधन की खबर फैलते ही पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई है। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। गुरुजी का जाना झारखंड की राजनीति के एक युग का अंत है। उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियां हमेशा याद रखेंगी।

आंदोलन के अगुवा शीबू सोरेन

शिबू सोरेन को झारखंड में 'गुरुजी' के नाम से जाना जाता था। वे झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक नेताओं में से एक थे और आदिवासी अधिकारों की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई थी। उन्होंने अलग झारखंड राज्य की मुहिम को नेतृत्व दिया और तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री भी बने। उनके नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आदिवासी इलाकों में सामाजिक और राजनीतिक चेतना का अभियान चलाया और राज्य को अलग पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

पीएम मोदी ने अस्पताल में किए शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन, हेमंत को गले लगाकर बंधाया ढांढस

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को आज नई दिल्ली स्थित सर गंगा राम अस्पताल में श्रद्धांजलि अर्पित की, जहाँ उनका निधन हो गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक शिबू सोरेन का लंबी बीमारी के बाद 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दिल्ली स्थित अस्पताल पहुँचे प्रधानमंत्री मोदी ने उनके परिवार के साथ तस्वीरें साझा कीं। एक्स पर साझा की गई एक तस्वीर में प्रधानमंत्री शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सांत्वना देते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो भावुक हो गए थे। मोदी ने एक्स पर लिखा कि श्री शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि देने के लिए सर गंगा राम अस्पताल गया। उनके परिवार से भी मिला। मेरी संवेदनाएं हेमंत जी, कल्पना जी और श्री शिबू सोरेन जी के

प्रशंसकों के साथ हैं। इससे पहले आज, प्रधानमंत्री मोदी ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया और आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के उनके जुनून की सराहना की। ङ्क पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'श्री शिबू सोरेन जी एक ज़मीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में तरक्की की। वे आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए विशेष रूप से समर्पित थे। उनके निधन से मुझे बहुत दु:ख हुआ। मेरी संवेदनाएँ उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी से बात की और संवेदना व्यक्त की। ओम शांति।'

जम्मू-कश्मीर को आज मिलेगा पूर्ण राज्य का दर्जा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या 5 अगस्त को फिर कुछ बड़ा होने जा रहा है? क्या मोदी सरकार जम्मू और कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने जा रही है? दरअसल रविवार को पीएम मोदी और अमित शाह दोनों ही ने राष्ट्रपति मुर्मू से अलग-अलग मुलाकात की थी। मंगलवार को 5 अगस्त है। 5 अगस्त 2019 को ही जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को रद्द करके जम्मू कश्मीर और लद्दाख को अलग अलग केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। वहीं कम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल का कार्यकाल भी खत्म होने वाला है। ऐसे में अमित शाह और राष्ट्रपति के बीच हुई मुलाकात ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। एक बड़ी वजह यह है कि ऐसी मुलाकातें आमतौर पर तो बिल्कुल नहीं होती हैं। एक ही दिन और कुछ घंटे के अंतर से इन दोनों नेताओं का राष्ट्रपति से मिलना सामान्य नहीं है। सवाल उठता है कि क्या सरकार संसद में कोई बड़ा बिल लाने वाली है, जिसे लेकर राष्ट्रपति को जानकारी देने के लिए पीएम मोदी और गृहमंत्री पहुंचे हों। यही कारण है कि बहुत से कयास लगाए जा रहे हैं।

सारा तेंदुलकर बनीं ऑस्ट्रेलिया के 13 करोड़ डॉलर के पर्यटन अभियान की ब्रांड एंबेसडर

मुंबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए एक नए पर्यटन अभियान की घोषणा की है, जिसका नाम है कम एंड से जी-डे। इस 13 करोड़ डॉलर (करीब 1080 करोड़) के अभियान के लिए, महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा को भारत के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। यह अभियान, जो 7 अगस्त को चीन से शुरू होगा, पर्यटकों को ऑस्ट्रेलिया में छुट्टियां बिताने और अपने यात्रा की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। चीन के बाद, इस इस साल के अंत तक भारत, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे प्रमुख बाजारों में लांच किया जाएगा। कम एंड से जी-डे अभियान का यह दूसरा चरण है, जिसका पहला चरण अक्टूबर 2022 में शुरू किया गया था। यह अभियान अगले दो साल तक चलेगा, और इसके पूरा होने तक ऑस्ट्रेलियाई सरकार इसमें कुल 25 करोड़ (करीब 2080 करोड़) का निवेश कर चुकी होगी।

भीषण हादसे में पांच कांवडियों की मौत

भागलपुर (एजेंसी)। भागलपुर में भीषण हादसे में पांच कांवरियों की मौत हो गई। वहीं चार कांवरियों की हालत गंभीर है। घटना शाहकुंड-सुल्तानगंज सड़क पर बेलथू के महतो स्थान के पास हुई है। बताया जा रहा है कि टेम्पो को ओवरटेक कर आगे बढने के चक्कर में पिकअप वैन के चालक को बिजली का तार नहीं दिखा। पिकअप वैन बिजली के तार के संपर्क में आ गई। देखते ही देखते पूरी गाड़ी में करंट फैल गया। इस सवार यात्री फौरन 30 फिट नीचे पानी में कूद गए और गाड़ी भी इनके ऊपर गिर गए। हादसा इतना भीषण था कि पांच लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हडक़ंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

मणिकर्णिका घाट पर शवों की कतार

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 57 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। इससे बाढ़ का संकट और गहरा गया है। पहली बार नमो घाट को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। घाट पर बना आकर्षक नमस्ते संरचना अब पूरी तरह से डूबने की कगार पर है इसलिए पर्यटकों और श्रद्धालुओं की आवाजाही रोक दी गई है। इससे पहले नमो घाट पर बाढ़ का पानी इतना नहीं आया था। वहीं, जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि शीतला घाट की सडक़ पर पानी पहुंच गया है। अस्सी घाट की सडक़ों पर जलभराव है। सामने घाट की सडक़ पर बाढ़ का पानी आ गया है।

पाकिस्तानी आकाओं के साथ मिलकर कर रहे थे देश विरोधी प्रचार, एटीएस ने दबोचा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश एटीएस ने देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यूपी एटीएस ने बताया कि दोनों आरोपी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के जरिए कई पाकिस्तानी व्यक्तियों के संपर्क में थे। एटीएस को रिवाइविंग इस्लाम नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप के बारे में पता चला था, जिसके तीन एडमिन सहित करीब 400 पाकिस्तानी सदस्य हैं। पुलिस को इस ग्रुप में उत्तर प्रदेश के एक शख्स के जुड़े होने की जानकारी मिली थी। यूपी एटीएस लगातार ऐसे लोगों और उनकी गतिविधियों पर नजर रखती है। एटीएस को पता चला कि रिवाइविंग इस्लाम नाम के ग्रुप से उत्तर प्रदेश के अजमल अली का मोबाइल नंबर भी जुड़ा हुआ है। अजमल अमरोहा का रहने वाला है। अजमल पर आरोप है कि वो कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से राष्ट्रविरोधी और गैर मुस्लिम धर्म के लोगों के खिलाफ विचारधारा का प्रसार कर रहा है। एटीएस ने बताया कि अजमल को पूछताछ के लिए एटीएस हेडक्वार्टर बुलाया गया था। उसने पूछताछ में अपना अपराध कबूल किया। अजमल ने बताया कि वह व्हाट्सएप पर रिवाइविंग इस्लाम ग्रुप के अलावा और भी कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कई पाकिस्तानी व्यक्तियों के संपर्क में था।

संसद का मानसून सत्र: एसआईआर को लेकर लोकसभा में विपक्ष का जोरदार हंगामा, कार्रवाई मंगलवार तक के लिए स्थगित

-शिबू सोरेन के सम्मान में राज्यसभा मंगलवार तक के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 11वें दिन सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के जोरदार हंगामे के चलते कार्यवाही बाधित रही। लोकसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार में वोटर्स लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) को लेकर चर्चा की मांग रखी और सुनवाई होती नहीं देख जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद स्पीकर ने पहले 2 बजे तक के लिए और फिर कल मंलगलवार 11 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया।

यहां राज्यसभा में सोमवार सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के बाद सिटिंग सांसद शिबू सोरेन के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उच्च सदन में मौजूद सांसदों ने उनके सम्मान में मौन रखा। इसके बाद सभापति हरिवंश नारायण सिंह ने राज्यसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। यहां बताते चलें कि उच्च सदन में आज गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से छह महीने और बढ़ाने का प्रस्ताव पेश करने वाले थे। यह प्रस्ताव लोकसभा में 30 जुलाई को मंजूर किया जा चुका है।

इस प्रकार संसद के मानसून सत्र के 11वें दिन लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के हंगामें के चलते पहले 2 बजे तक के लिए फिर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस प्रकार 21 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र की संसदीय कार्यवाही लगातार हंगामें की भेंट चढ़ती रही है। इस दौरान, महज 28 और 29 जुलाई को सदन में पूरे दिन की कार्यवाही चली। दरअसल इन दोनों ही दिनों में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा की गई थी।

अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसा नहीं कहेंगे... राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की नसीहत

मानहानि मामले पर फिलहाल रोक

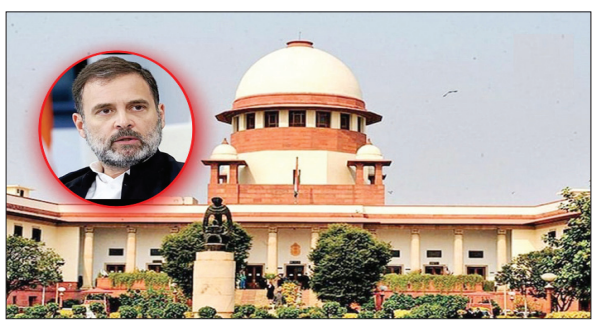

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से भारतीय सेना और चीन सीमा विवाद को लेकर की गई कथित टिप्पणी पर दर्ज मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नसीहत भरी टिप्पणी की है। कोर्ट ने पूछा, कि आपको कैसे पता चला कि चीन ने 2000 किलोमीटर भारतीय जमीन पर कब्जा कर लिया है? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसा नहीं कहेंगे।

यह टिप्पणी कोर्ट ने उस समय की जबकि राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई के दौरान दलीलें पेश कीं। यह याचिका भारत जोड़ो यात्रा 2023 के दौरान सेना पर की गई कथित टिप्पणी से संबंधित मानहानि मुकदमे को रद्द कराने के लिए दायर की गई है। सुनवाई के दौरान पीठ ने राहुल गांधी से सवाल किया, आप विपक्ष के नेता हैं, आप संसद में यह सवाल क्यों नहीं पूछते? आपके पास क्या कोई विश्वसनीय जानकारी है कि चीन ने वास्तव में 2000 किमी तक जमीन हड़प ली है?

इसके जवाब में वरिष्ठ वकील सिंघवी ने कहा कि अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है और राहुल गांधी ने चुनाव लड़ने का उद्देश्य संसद में बोलने की छूट पाना नहीं रखा। उन्होंने तर्क दिया कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन हुआ है क्योंकि राहुल को मुकदमे में संज्ञान लेने से पहले कोई सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में यह दलील नहीं दी, और यहां भी उन्होंने अपनी एसएलपी में स्पष्ट तर्क नहीं लिया। कोर्ट ने कहा, आप अलग ही लाइन पर चले गए। आपको जो तर्क देने चाहिए थे, वह नहीं दिए। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि राहुल गांधी कोई दागी या दोषी व्यक्ति नहीं हैं, और उन्हें निचली अदालत में बिना पूर्व सूचना मुकदमे में घसीटना अनुचित है। सुनवाई के अंत में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करते हुए उनसे जवाब मांगा है। साथ ही कोर्ट ने राहुल गांधी को फिलहाल राहत देते हुए निचली अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद होगी, जिसमें कोर्ट याचिका पर आगे विचार करेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए उठाया कदम

-बिहार में शिक्षक बहाली में लागू होगी डोमिसाइल पॉलिसी

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने ऐलान किया कि शिक्षकों की बहाली में अब बिहार के निवासियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए शिक्षा विभाग को संबंधित नियमों में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया गया है। ये बदलाव टीआरई-4 से लागू किया जाएगा।

सीएम नीतीश कुमार ने बताया कि नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही राज्य में शिक्षा के सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है और इसी दिशा में बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि टीआरई-4 की परीक्षा वर्ष 2025 में आयोजित की जाएगी, जबकि टीआरई-5 का आयोजन अगले साल यानी 2026 में होगा। टीआरई-5 के पहले एसटीईटी का आयोजन कराने का निर्देश भी दिया गया है।

बता दें कि नई डोमिसाइल नीति को लागू करने की मांग को लेकर पटना में छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों का ये प्रदर्शन गांधी मैदान में चल रहा है, उनकी मुख्य मांग है कि बिहार में निकलने वाली सरकारी नौकरियों में 90-95 प्रतिशत आरक्षण बिहार के मूल निवासियों के लिए लागू किया जाए। छात्रों का कहना है कि दूसरे राज्यों के अभ्यर्थियों की बजाय बिहार के लोगों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

लंबे समय से उठ रही थी मांग

सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की यह मांग लंबे समय से उठती रही है,लेकिन अब सीएम नीतीश कुमार ने शिक्षक बहाली में डोमिसाइल पॉलिसी लागू करने का ऐलान कर दिया है। हाल ही में राज्य कैबिनेट ने एक अहम फैसला लिया था, इसके तहत सरकारी नौकरियों में महिलाओं को मिलने वाले 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ अब सिर्फ बिहार की स्थायी निवासी महिलाओं को ही मिलेगा।

सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे... अमेरिका के साथ इस रणनीति पर काम कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद भी भारत ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर उम्मीद नहीं छोड़ी है। भारत एक इसतरह के समझौते को सिरे चढाने को कोशिश में है, जिससे अमेरिका के साथ उसका व्यापार संतुलित हो जाए, कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को नुकसान भी न पहुंचे और व्यापार के मामले में चीन को बढ़त न मिले। इसकारण मोदी सरकार ने ट्रंप की बेसिर-पैर वाले दावों, धमकियों और आरोपों पर टकराव वाला रास्ता न अपनाकर संयम दिखा रही है। केंद्र ने अब प्रमुख मंत्रालयों से अपने-अपने अधीन आने वाले उन क्षेत्रों की सूची मांगी है, जिसमें अमेरिका को छूट मिल सकती है। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भारत ने जवाबी टैरिफ लगाए थे, लेकिन इस बार भारत ने ऐसा कदम नहीं उठाया है और इसके बजाय उन क्षेत्रों में रणनीतिक रियायतें देने पर काम कर रहा है, जो अमेरिका के लिए प्रमुख हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मोदी सरकार का मानना है कि अमेरिका को रियायतें अगर समझदारी से दी जाएं, तब ये घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी भी हो सकती हैं। गौरतलब है कि वर्ष 1991 के आर्थिक सुधार भी एक बाहरी संकट के चलते ही शुरू हुए थे। व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए 25 अगस्त को अमेरिकी टीम भारत आ रही है। यह देखकर मोदी सरकार ने अब अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।

नेतृत्व का मतलब सत्ता में बने रहना नहीं, बल्कि बदलाव लाना: कमल हासन

चेन्नई (एजेंसी)। अभिनेता और राज्यसभा सदस्य कमल हासन ने चेन्नई में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा हथियार है जो तानाशाही और सनातन धर्म की जंजीरों को तोड़ सकता है। कमल हासन का यह बयान तब आया है, जब सनातन धर्म को लेकर देश में बहस चल रही है, जिसमें कुछ नेता सनातन धर्म को जातिगत अत्याचारों से जोड़ रहे हैं। कमल हासन ने कहा कि हमें अपने हाथ में कुछ और नहीं, बल्कि सिर्फ शिक्षा लेनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिक्षा के बिना हम जीत नहीं सकते, क्योंकि बहुमत हमें हरा सकता है, और ज्यादातर मूर्ख हमें हरा सकते है। इसलिए, उन्होंने शिक्षा को मजबूती से थामे रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मेडिकल शिक्षा में प्रवेश के लिए नीट (नीट) की शुरुआत की भी आलोचना कर कहा कि इसने 2017 से कई छात्रों के लिए मौको को कम कर दिया है। हासन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के साथ अपनी हालिया बातचीत का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने अगरम फाउंडेशन के शैक्षिक कार्यों पर चर्चा की थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन से कहा कि एनजीओ पैसे नहीं मांग रहे हैं, बल्कि सिर्फ काम करने की अनुमति मांग रहे हैं, और मुख्यमंत्री ने इस दिशा में कदम उठाने का आश्वासन दिया है। कमल हासन ने कहा कि कि असली नेताओं के काम को अक्सर पहचान नहीं मिलती, भले ही वे अपने पीछे कितना भी गहरा प्रभाव छोड़ जाएं। उन्होंने कहा कि नेतृत्व का मतलब सत्ता में बने रहना नहीं है, बल्कि बदलाव लाना है, भले ही आपका नाम लहरों के साथ मिट जाए। यह दर्शाता है कि उनका मानना है कि सच्चा नेतृत्व परिणाम लाने पर केंद्रित होता है, न कि व्यक्तिगत प्रसिद्धि पर।

बांके बिहारी कॉरिडोर मामले में सुप्रीम कोट.... भगवान कृष्ण पहले मध्यस्थ

-यूपी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को वार्ता से मसला हल करने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मथुरा में बांके बिहारी कॉरिडोर बनने के लिए मंदिर फंड से 500 करोड़ का इस्तेमाल करने के मसले पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। उत्तर प्रदेश सरकार श्री बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश लाई है, इसके तहत मंदिर फंड से ही कॉरिडोर का निर्माण होना है। मंदिर प्रशासन की ओर से योगी सरकार के फैसले का विरोध किया गया है। इस पर शीर्ष अदालत ने सुनवाई कर यूपी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को वार्ता से मसला हल करने की सलाह दी है। बेंच ने कहा, भगवान कृष्ण पहले मध्यस्थ थे। कृपया इस मामले में वार्ता से मसले को हल करें।

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में यूपी सरकार के अध्यादेश की संवैधानिक वैधता की जांच उच्च न्यायालय को करना चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि आखिर अदालत को इतनी जल्दी क्यों थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची ने मौखिक रूप से 15 मई के उस आदेश को भी वापस लेने का प्रस्ताव दिया, इसके तहत सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर का फंड इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी। बेंच ने कहा, हम इसका

फाईल फोटो

प्रस्ताव देते हैं। पहले का जजमेंट अभी स्थगित रहेगा। इस मामले में हाई कोर्ट के पूर्व जज और सीनियर रिटायर्ड जिला जज वार्ता कर सकते हैं। वे मैनेजमेंट ट्रस्टी हैं।

बेंच ने कहा कि जब तक अध्यादेश को लेकर फैसला होगा, तब तक समिति ही मंदिर के मामलों का संचालन करेगी। बेंच ने कहा कि हम अंतरिम कमेटी को आदेश देते हैं कि वह फंड का सीमित इस्तेमाल कर सके। अदालत ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट की ओर से यूपी सरकार के अध्यादेश को चुनौती दी जा सकती है। ट्रस्ट की ओर से यह मांग की जा सकती है कि मंदिर के मामलों में फैसले और प्रबंधन का काम वही देखेगा। इस मामले में यूपी सरकार की ओर से पेश वकील केएम नटराज ने मंगलवार तक जवाब देने की बात कही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

(लेखक- गिरिराज सिंह)

(07 अगस्त, 2025 को 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर माननीय वस्त्र मंत्री द्वारा लिखा गया लेख)

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत, रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है। ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। 'कौशल भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाज़ारों के लिए नए डिज़ाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिज़ाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के ज़रिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है। वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22त्न हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19त्न अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59त्न ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है। हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार। इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं। ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं। संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है। भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेज़ी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है। इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं। यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दर्शाता है।

आज, तेज़ी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती

संपादकीय

स्वदेशी का संकल्प

ट्रंप की टैरिफ दादागीरी और तमाम देशों के आर्थिक संरक्षणवाद से भारत के लिए उभरी आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वदेशी का मंत्र ही एक कारगर विकल्प सिद्ध हो सकता है। वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा। ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने-अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि स्वदेशी का संकल्प देश की वर्तमान जरूरत है, लेकिन देश के उद्यमियों को भी सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का विकल्प गुणवत्तापूर्ण हो। आज के उपभोक्तावादी युग में लोग गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार नहीं होते। उद्यमियों को सोचना होगा कि कैसे चीन के उद्यमी कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को भी उद्योग व व्यापार जगत पर नौकरशाही के शिकंजे को कम करना होगा। उत्पादन क्षेत्र को हमें उस स्तर तक ले जाने के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा, जहां गुणवत्तापूर्ण सस्ते उत्पाद तैयार किए जा सकें। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

भगवान शिव सृष्टि के पिता, कोई अच्छा- बुरा नहीं, सभी का कर्म फल उनका भाग्य

(लेखक- सोनू निगम)

भारतीय संस्कृति में भगवान शिव केवल एक देवता नहीं , बल्कि एक ऐसे आदर्श गृहस्थ हैं ।जिनके जीवन से परिवार, समाज देश काल और सृष्टि के संबंधों की गूढ़ शिक्षाएँ मिलती हैं। उनके परिवार को 卐शिव परिवार卐 के नाम से जाना जाता है। जिसमें देवी पार्वती, भगवान गणेश, भगवान कार्तिकेय, नंदी, भृंगी, और यहां तक कि नाग-वंश से वासुकी तक के सभी सदस्य शामिल हैं। यह परिवार की विविधता ,एकता, समर्पण, सहिष्णुता और और सृष्टि के सभी जीवो के प्रति समानता का प्रतीक है।

प्रत्येक जीव की सोच अलग होती है। सभी में श्रेष्ठता का भाव है ।परिवार में मतभेद होना सामान्य है। भगवान शिव सिखाते हैं, विचारों में मतभेद के बावजूद सभी का महत्व बराबर है। शिव के दोनों पुत्र - गणेश और कार्तिकेय - स्वभाव और रुचियों में भिन्न हैं, फिर भी उन्हें समान सम्मान और स्नेह मिलता है। एक युद्धप्रिय सेनापति है, तो दूसरा बुद्धि का देवता। शिव परिवार की सबसे बड़ी शिक्षा यही है - कि गुणों और कमियों के बावजूद हर सदस्य का अपना स्थान और महत्व है।

भिन्नताओं में समानता

भगवान शिव का वाहन नंदी है - एक शांत बैल, जबकि उनकी पत्नी पार्वती का वाहन सिंह है, गणेश का वाहन मूषक और कार्तिकेय का वाहन मयूर। ये वाहन प्रतीक हैं। विविधता को अपनाना और उसका सम्मान करना ही कर्म और भाग्य की सही पहचान है। यहां तक कि शिव के गले में सर्प है ,जो आमतौर पर भय और विष का प्रतीक माना जाता है। भगवान शिव उसे भी स्नेहपूर्वक कंठ मे स्थान देते हैं। यह दर्शाता है किसी जीव की पहचान या भूमिका के कारण उसे कमतर नहीं आंका जाना चाहिए।

समता और न्याय की मिसाल

एक लोकप्रिय कथा है, जब गणेश और कार्तिकेय दोनों को पृथ्वी की परिक्रमा करने की चुनौती दी जाती है। कार्तिकेय अपने तेज मयूर पर निकल पड़ते हैं। जबकि गणेश अपने माता-पिता की परिक्रमा करते हैं, और कहते हैं, मेरे लिए पूरा ब्रह्मांड आप दोनों हैं। शिव और पार्वती ने गणेश की इस भावना को समझते हैं। उन्हें विजेता घोषित कर देवताओं की पूजा में अग्रणी स्थान दिया। यहां भगवान शिव सिखाते हैं,परिवार की भावनाओं और सोच की गहराई को समझना महत्वपूर्ण है। विचारों में परिवर्तन श्रेष्ठ का आधार नहीं है।

आलोचना से ऊपर उठने की सीख

शिव एक ऐसे भगवान हैं। जो समाज के तथाकथित अस्वीकृत या तिरस्कृत प्राणियों को भी समान अवसर और अधिकार देते हैं। सृष्टि के 84 लाख योनियों में जन्म लेने वाले सभी जीवो के प्रति भगवान शिव समान भाव रखते हैं। भगवान शिव की जब बारात निकली तब सारे सृष्टि के जीव उसमें शामिल हुए उनके गणों में कोई भेदभाव नहीं,श्रेष्ठता या हीनता का भाव नहीं। कर्म का फल बिना किसी भेदभाव के भगवान शिव ने दिये। यही एक कारण है, राक्षसों को सबसे ज्यादा वरदान भगवान शिव से मिले हैं। भगवान शिव की यह प्रेरणा अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी की कमज़ोरी या कर्म फल के सिद्धांत की स्थिति को लेकर उन्होंने कभी भी किसी जीव के साथ भेदभाव नहीं किया।

वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता

कलयुग के आधुनिक समाज में जब विज्ञान अपनी सर्वोच्चता में है। ज्ञान और विज्ञान के बल पर वर्तमान मानव जीवन अहंकार और भौतिक सुख सुविधाओं के सहारे होकर अकेले ही सब कुछ पा लेना चाहता है। जिसके कारण परिवार एवं समाज मैं विघटन बढ़ता जा रहा है। सामाजिक विकास के स्थान पर सामूहिक विध्वंस की ओर मानव समाज बढ़ रहा है। भौतिक संसाधनों की चाह और अहंकार ने संवादहीनता बढा दी है। भाई-भाई के बीच संपत्ति या विचारों को लेकर विवाद हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में भगवान शिव और उनका परिवार हमें सृष्टि में सभी के सह-अस्तित्व, समर्पण और समानता की प्रेरणा देता है। शिव हमें सिखाते हैं, कर्म फल और भाग्य फल सृष्टि का विधान है। कोई भी केवल इसलिए बुरा नहीं हो जाता है। क्योंकि वह दीन-हीन है ।वह अलग सोचता है,या सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन में असफल हो गया है। ब्रह्मांड एक ऐसा वटवृक्ष है, जिसमें 84 लाख योनियों के जीवों का कर्म और भाग्यफल अलग-अलग हैं। सभी जीव एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। सभी जीव एक दूसरे का भोजन है। एक दूसरे के बिना ब्रह्मांड की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जन्म की अलग दिशा हो सकती है। भाग्यफल अलग-अलग हो सकता है। सभी की जड़ एक ही होती है। सभी जीवो को एक दूसरे के प्रति प्रेम और सम्मान का भाव ही कर्म को बेहतर बनाते हैं।

निष्कर्ष

भगवान शिव का परिवार सृष्टि के सह अस्तित्व का सबसे बड़ा उदाहरण है। मानव जाति को जिस कर्म का अधिकार है। उसे यह अमूल्य सीख देता है। ब्रह्मांड में कुछ भी अच्छा या बुरा नहीं होता है। यह सीख केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि प्रकृति के सभी जीवों के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन मनुष्यों के लिए है। वर्तमान में यदि हम इस दृष्टिकोण को अपनाएं,तभी सच्चा सुख, स्थिरता शान्ति और विश्वास बना रहेगा।

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

चिंतन मनन

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अत- मूलत- इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अत- दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुत- जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अत- वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अत- निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

विचार मंथन

मोदी- शाह की राष्ट्रपति से मुलाकात, राजनीतिक हलचलें बढ़ी

(लेखक - सनत जैन)

भाजपा सांसद उपराष्ट्रपति के चुनाव में कर सकते हैं बगावत? केंद्रीय चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान 9 सितंबर को होगा। नामांकन और नाम वापसी 25 अगस्त तक हो जाएगी। 25 अगस्त से लेकर 9 सितंबर तक का समय प्रधानमंत्री मोदी के लिए भारी पड़ने जा रहा है। लोकसभा और राज्यसभा के संसद सदस्य उपराष्ट्रपति के लिए मतदान करते हैं जिस तरह से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में तनाव बना हुआ है।

जिस तरह से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा हुआ है। धनखड़ का इस्तीफा होने के बाद ना तो उनका फेयरवेल हुआ है, नाही यह पता लग रहा है, कि वह कहां पर किस हाल में हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव टलता चला आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर तल्खी बनी हुई है। संसद के मानसून सत्र में कोई काम नहीं हो पा रहा है।

केवल ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में 16-16 घंटे की चर्चा हुई है। विपक्ष बिहार में चल रही मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण को लेकर संसद के दोनों सदनों में चर्चा कराना चाहता है। सरकार चर्चा करने से बच रही है। जिसके कारण सदन की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। चुनाव आयोग और भाजपा को लेकर भी विपक्ष हमलावर है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर विपक्ष ने जिस तरह की चुप्पी साध रखी है। यह चुप्पी सरकार के लिए हैरान कर रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, मोदी सरकार के लिए मुसीबत बने हुए हैं। वह हर दिन कोई ना कोई बयान भारत के बारे में देते हैं। जिसमें या तो टैरिफ होता है या भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर कराने की बात होती है। जिसके कारण सरकार को बचाव की मुद्रा में रहना पड़ता है।

इसका फायदा विपक्ष के साथ-साथ भाजपा के अंदर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से अलग लाबी है। वह भी समय-समय पर जो बयानबाजी कर रही है। उससे भी सरकार की मुश्किलें बढ़ रही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक का दबाव पहले से ही बना हुआ है। उपराष्ट्रपति के चुनाव के पहले संघ परिवार चाहता है, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में भाजपा के सांसद विद्रोह कर सकते हैं। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विहिप जारी नहीं हो सकता है। जिसके कारण बगावत की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। दिल्ली में जिस तरह की चर्चाएं हो रही हैं। उसके अनुसार संघ को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर गुजराती लावी का कोई आदमी स्वीकार नहीं है। संघ अपने भरोसेबंद व्यक्ति को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर लाने के लिए अडिग है। जिसके कारण मोदी-शाह हैरान और परेशान हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस तरह की राजनीतिक हलचले हो रही हैं। उसमें ऊंट किस करवट बैठेगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं लग पा रहा है। हाल ही में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बिहार में मतदाता सूची के गहन परीक्षण को लेकर अपनी आपत्ति जताई थी। हाल ही में उन्होंने एक बार फिर कोलकाता में जो बयान दिया है। उससे सरकार की चिंता बढ़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गठबंधन सरकार चलाने का अनुभव नहीं है। वह मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में पूर्ण बहुमत की सरकार के मुखिया रहे हैं। पहली बार वह गठबंधन की सरकार के मुखिया हैं।

जिस तरह से एनडीए के सहयोगी दल भी उन्हें आंखें दिखा रहे हैं। यह स्थिति उनके लिए बिल्कुल नई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा ऐसे समय पर हुआ है। जब सरकार के सामने सबसे ज्यादा चुनौतियां थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी चुनौतियां मिल रही हैं। इस स्थिति में संकट मोचक के रूप में राष्ट्रपति ही उनकी कोई मदद कर सकती हैं। एक ही दिन में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का राष्ट्रपति से मिलने से दिल्ली का राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गया है। वहीं चुनाव आयोग को लेकर देश में जिस तरह से माहौल बन रहा है। उसने भी मोदी और शाह की चिंताओं को बढ़ा दिया है। केंद्र की सत्ता का ऊंट किस करवट बैठेगा। इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगने लगे हैं। राम और रावण युद्ध के समय रावण की कैद में सभी नौ ग्रह थे। लेकिन जब रावण का समय बदला, ऐसी स्थिति में उन नौ ग्रहों ने भी पाला बदल दिया। जो अंततः अहंकारी रावण के वध का कारण बना। उपराष्ट्रपति पद का चुनाव मोदी-शाह के गले में हड्डी की तरह फंस गया है। भगवान जाने आने वाले समय में सरकार और देश की राजनीति में क्या बदलाव होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वारेन बफे के लगातार शेयर बेचने से निवेशक घबराए

पिछली तिमाही में 26154 करोड़ के शेयर बेचे, बफेट के पास 30 लाख करोड़ की नगदी

नई दिल्ली।

शेयर बाजार के शहंशाह वारेन बुफेट की कंपनी वर्कशायर हैथवे ने पिछली तिमाही में 26154 करोड रुपए के शेयर बेचे हैं।पिछले 3 साल की 11 तिमाही से वह लगातार शेयर बेचकर नगदी जमा कर रहे हैं। वर्तमान में कंपनी के पास 30 लाख करोड रुपए की रिकॉर्ड नगदी जमा हो चुकी है।

वारेन ने कोका कोला और बैंक ऑफ अमेरिका जैसी बड़ी कंपनियों के शेयर सबसे ज्यादा बेचे हैं। इनके शेयरों का मूल्य,बाजार मूल्य से ज्यादा है।वारेन और उनकी टीम को शेयर बाजार में निवेश करने के लिए कोई अच्छी कंपनियां नहीं मिल रही हैं। जिसके कारण उनका नगदी का भंडार बढ़ता चला जा रहा है।पिछली तिमाही में 6।9 अरब डॉलर के शेयर बेचे, और 3.9 बिलियन डॉलर के शेयर खरीदे हैं। पिछले साल वारेन की कंपनी ने एप्पल और बैंक ऑफ अमेरिका मैं अपनी हिस्सेदारी घटाई है। वारेन बुफेट को शेयर बाजार की अच्छी समझ है।उन्होंने जो भी कमाया है शेयर बाजार के माध्यम से कमाया है। शेयर बाजार की वह नस-नस से वाकिफ हैं। जिस तरह से वह शेयर बाजार में अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। उससे निवेशकों के बीच में एक भय देखने को मिल रहा है। विभिन्न देशों के बीच में जिस तरह से सामरिक एवं व्यापारिक मतभेद देखने को मिल रहे हैं। जो बार-बार तृतीय विश्व युद्ध की ओर इशारा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार के निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.65 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बढ़कर 87.22 पर खुला। डॉलर सूचकांक में गिरावट और एशियाई मुद्राओं में तेजी के कारण भी भारतीय रुपया बढ़त के साथ खुला। स्थानीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.22 पर खुली, जो शुक्रवार के 87.54 के बंद भाव से 32 पैसे ज्यादा है। डॉलर सूचकांक 100 के करीब पहुंच गया, जिससे रुपया 100 पैसे नीचे आकर अगस्त के पहले दिन 87.52 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय शेयरों की लगातार बिकवाली और तेल की कीमतों में तेजी से रुपए में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट आई थी। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 47,666 करोड़ रुपए की बिक्री की। कारोबारियों को आज रुपये के87.00 से 87.50 के बीच और इस सप्ताह 87.00 से 87.80 के बीच कारोबार की उम्मीद है।

दिलीप बिल्डकॉन के शेयरों में 4.4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी... विश्लेषकों ने दी सेल की सलाह

मुंबई। गुरुग्राम मेट्रो रेल प्रोजेक्ट मिलने और पहली तिमाही के शानदार नतीजों के बाद 4 अगस्त, दिलीप बिल्डकॉन के शेयरों में 4.4 प्रतिशत के उछल के साथ 478 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह प्रोजेक्ट आरबीएल बैंक के साथ साझेदारी में 1,503.6 करोड़ का है। इसके तहत कंपनी मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर 9 और द्वारका एक्सप्रेसवे (1.85 किमी) तक एक वायडक्ट (उठा हुआ मार्ग) और 14 ऊंचे स्टेशन तैयार करेगी। इसमें सेक्टर 33 में डिपो तक का रैंप और भक्तावर चौक पर एक अंडरपास का निर्माण होना है। इस पूरे प्रोजेक्ट को 30 महीने में पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। 29 जुलाई को घोषित पहली तिमाही के नतीजों के अनुसार, कंपनी का शुद्ध लाभ बीते साल की तुलना में 94 प्रतिशत बढ़कर 271 करोड़ हो गया। यह बढ़ोतरी मार्जिन में सुधार और 170 करोड़ के एक्सेप्शनल गेन के कारण हुई। हालांकि, कुल आय में 16 प्रतिशत की गिरावट आई, जो ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) ऑर्डरों में कमी को दिखाती है। दिलीप बिल्डकॉन के सीईओ देवेंद्र जैन ने बताया कि ईपीसी सेगमेंट में चुनौतियां होने के बावजूद, कोयला खनन और एचएएम (हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल) सड़क परियोजनाओं से सहायता मिल रही है। उन्होंने भविष्य में पर्याप्त नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद जाहिर की। कंपनी ने अपनी ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ तक के एनसीडी (नॉन-कंवर्टिबल डिबेंचर) और कमर्शियल पेपर्स जारी करने को भी मंजूरी दी है। विश्लेषकों के अनुसार, दिलीप बिल्डकॉन के शेयर का औसत टारगेट मूल्य 453 है, जो मौजूदा कीमत से लगभग 1 प्रतिशत कम है। छह विश्लेषकों ने इस शेयर के लिए सेल की सलाह दी है। पिछले एक महीने में शेयर में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन पिछले दो साल में कंपनी के शेयर ने 43 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी की मौजूदा बाजार कीमत करीब 6,696 करोड़ है।

अनिल अंबानी पर ईडी का दोहरा वार, दर्जन भर बैंकों को भी भेजे पत्र से बढ़ीं मुश्किलें

-मंगलवार को ईडी के समक्ष होना है पेश

मुंबई। देश के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में शुमार अनिल अंबानी इस बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निशाने पर हैं। जांच एजेंसी ने उन्हें 5 अगस्त को पूछताछ के लिए समन जारी किया है, साथ ही उन 12 से 13 बैंकों को भी पत्र भेजे हैं जिन्होंने उनकी कंपनियों को ऋण दिए थे। इस तरह से अब ये जांच मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक फ्रॉड के नए दायरे में प्रवेश कर गई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, उद्रयोगपती अनिल अंबानी मामले में ईडी ने भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक सहित प्रमुख सार्वजनिक व निजी बैंकों को पत्र लिखकर उनसे रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस, रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस को दिए गए लोन की विवरणात्मक जानकारी मांगी है। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया, चूक की समय-सीमा और वसूली की स्थिति जैसे बिंदुओं पर फोकस किया जा रहा है। संभव है कि बैंक अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए तलब किया जाए, जिनकी निगरानी में ये लोन स्वीकृत हुए थे और जो बाद में एनपीए में तब्दील हो गए।

3,000 करोड़ की लोन हेराफेरी की जांच

ईडी की यह जांच साल 2017 से 2019 के बीच के उस कथित मामले से जुड़ी है, जिसमें यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों को दिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपये के लोन की गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, इन ऋणों के जारी होने से ठीक पहले कुछ प्रवर्तकों को फंड ट्रांसफर भी किए गए थे, जिससे यह संदेह गहराया कि यह प्रणालिबद्ध लेन-देन योजना हो सकती है।

वीआई दे रहा जियो से 50 रुपए सस्ता प्लान, 30जीबी एक्सट्रा डेटा भी

नई दिल्ली।

जियो के प्लान दूसरी कंपनियों से बेनिफिट के मामले में बेहतर हैं, लेकिन कुछ मामलों में दूसरी कंपनियां अपने प्लान्स से जियो को टक्कर दे रही हैं। वोडाफोन-आइडिया (वीआई) का 1749 रुपए वाला प्लान इन्हीं में से एक है। वैलिडिटी के मामले में यह जियो के 1799 रुपए वाले प्लान से आगे है। जियो से 50 रुपए सस्ते प्लान में वोडाफोन-आइडिया अपने यूजर्स को 30जीबी एक्सट्रा डेटा दे रहा है। जियो इसमें यूजर्स को नेटफ्लिक्स का ऐक्सेस मिलेगा, जो वोडाफोन-आइडिया में नहीं मिलता। जियो का यह प्लान 84 दिन की वैलिडिटी के साथ आता है। इस प्लान में आपको रोज 3जीबी डेटा मिलेगा। एलिजिबल यूजर्स को कंपनी अनलिमिटेड 5जी डेटा भी दे रही है। प्लान डेली 100 फ्री एसएमएस और देशभर में सभी नेटवर्क के लिए अनलिमिटेड कॉलिंग देता है। जियो यूजर्स को इस प्लान के साथ नेटफ्लिक्स बेसिक का फ्री ऐक्सेस मिलेगा। साथ ही जियो हॉटस्टार और जियो टीवी भी ऑफर करता है। प्लान में कंपनी जियो एआई क्लाउड पर 50जीबी स्टोरेज भी दे रही है। वोडाफोन-आइडिया का यह प्लान 180 दिन की वैलिडिटी के साथ है। इसमें कंपनी हर दिन 1.5जीबी डेटा देती है। प्लान में बिना किसी अडिशनल चार्ज 45 दिन के लिए 30जीबी एक्ट्रा डेटा भी दिया जा रहा है। कंपनी के 5जी नेटवर्क कवरेज वाले एरिया में रहने वाले यूजर्स को अनलिमिटेड 5जी डेटा भी मिलेगा। यह प्लान रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक अनलिमिटेड डेटा भी ऑफर करता है। साथ ही इसमें वीकेंड डेटा रोलओवर और डेटा डिलाइट्स भी दिया जा रहा है। प्लान में अनलिमिटेड कॉलिंग और हर दिन 100 फ्री एसएमएस मिलते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 418 , निफ्टी 157 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आई टी , वाहन और धातु शेयरों में उछाल के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 418 अंकों के उछाल के साथ 81,018.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 157.40 बढ़कर 24,722.75 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान टाटा स्टील के शेयर में 4 फीसदी की बढ़त आई। वहीं अन्य धातु और वाहन क्षेत्र में अच्छी तेजी दर्ज की गयी। बाजार में उछाल का कारण दूनिया भर के बाजारों में आई बढत और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी से आई है।

बाजार में सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों मे टाटा स्टील के शेयरों में 4.31 फीसदी की बढ़त आई. इसके बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में 3.55 फीसदी , अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन में 3.24 फीसदी , टेक महिंद्रा में 2.53 फीसदी , और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में 2.39 फीसदी तक की बढ़त रही।वहीं पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के शेयर सबसे अधिक 1.01 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 0.99 फीसदी , आईसीआईसीआई बैंक में 0.60 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर में 0.25 प्रतिशतफीसदी , और आईटीसी के शेयर में 0.04 फीसदी की गिरावट रही।

बाजार जानकारों के अनुसार धातु ओर वाहन क्षेत्र के शेयरों में आये उछाल के साथ ही अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, के साथ ही कंपनियों के तिमाही परिणामों में सुधार से भी बाजार को बल मिला और वह ऊपर आया।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 192 अंक करीब 0.25 फीसदी बढ़त के साथ ही 80,804 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 82 अंक तकरीबन 0.34 फीसदी बढ़कर 24,648 पर खुला। आज वाहन क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। शुरुआती कारोबार में ही निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.29 फीसदी उछल गया। इसके अलावा पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, मीडिया, रियल्टी, इन्फ्रा और कमोडिटीज शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। आईटी, दवा, उर्जा और निजी बैंक शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सपाट कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 4 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 56,635 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 16 अंक नीचे आकर 17,652 पर था।

वहीं अमेरिका में टैरिफ और रोजगार रिपोर्ट के ताजा डेटा के कारण शुक्रवार को बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। इस दौरान अमेरिकी शेयर बाजारों में जमकर गिरावट रही। डाउ जोन्स 1.23 फीसदी, एसएंडपी 1.60 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 2.24 फीसदी गिरा। इससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले महीने ब्याज दरों को घटाने की संभावनाएं बढ़ीं हैं। वहीं एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख रहाहे। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.23 फीसदी, हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स में 0.50 फीसदी की बढ़त रही जबकि दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.77 फीसदी की बढ़त आई। जापान के निक्केई 225 में सुबह के समय 1.63 फीसदी की गिरावट रही।दूसरी ओर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार बिकवाली का सिलसिला जारी रखा और 3,366 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,186 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

चीनी कंपनियों के साथ कोई साझेदारी नहीं, अदाणी समूह ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट को बकवास बताया

अहमदाबाद।

देश के दिग्गज कारोबारी समूह अदाणी ने ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट को निराधार और भ्रामक बातकर पूरी तरह से खारिज किया है, जिसमें समूह के चीनी कंपनियों बीवॉयडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ संभावित गठजोड़ का दावा किया गया था।

कंपनी की ओर से जारी बयान में, अदाणी समूह के प्रवक्ता ने कहा कि वे 4 अगस्त 2025 की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट का खंडन करते हैं, इससे भारत में बैटरी निर्माण और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए बीवॉयडी के साथ सहयोग की संभावना तलाशने की बात कही गई थी। अडानी समूह के प्रवक्ता ने कहा, यह रिपोर्ट निराधार, गलत और भ्रामक है। अदानी समूह भारत में बैटरी निर्माण के लिए बीवॉयडी के साथ किसी भी प्रकार के सहयोग की संभावना नहीं तलाश रहा है। इसके अतिरिक्त, अडानी समूह ने दो टूक कहा कि वे बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी के लिए कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं।

समूह का यह खंडन तब आया है, जब अदानी समूह अगले पांच वर्षों में करीब 100 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय निवेश की तैयारी कर रहा है। अदानी समूह थर्मल और रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, एलएनजी, एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी, बैटरी स्टोरेज, हाइड्रोजन ट्रक, ईवी चार्जिंग स्टेशन, पंप हाइड्रो और खनन सहित कई अन्य क्षेत्रों में कारोबार करता है। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे कुशल सीमेंट निर्माता होने के साथ-साथ एयरोस्पेस और डिफेंस, डेटा सेंटर और रियल एस्टेट सेक्टर में भी मौजूद है।

बीएसएनएल ने 30 दिन तक वैलीडिटी वाले रिचार्ज प्लान्स की वैधता घटाई

नई दिल्ली। सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल ने अपने बजट फ्रेंडली रिचार्ज प्लान्स की वैधता घटा दी है। पहले जहां बीएसएनएल के 147 रुपए वाले प्लान में 30 दिन तक अनलिमिटेड कॉलिंग, नेशनल रोमिंग और 10जीबी डेटा मिलता था, अब इसकी वैधता घटाकर 25 दिन कर दी है। इस तरह की वैधता में कमी कंपनी की दूसरी सस्ती योजनाओं जैसे 99 रुपए और 197 रुपए वाले प्लान्स में भी देखी जा रही है। बीएसएनएल के इस फैसले को टेलीकॉम इंडस्ट्री में बढ़ते प्रतिस्पर्धा और कमाई बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। निजी कंपनियां भी अपनी योजनाओं की वैधता कम करके ग्राहकों को बार-बार रिचार्ज कराने पर मजबूर कर रही हैं, और अब बीएसएनएल भी इस रास्ते पर है। वहीं दूसरी ओर, एयरटेल ने कॉलिंग और एसएमएस के लिए लंबी अवधि वाले प्लान पेश किए हैं, जो बिना डेटा के भी उपभोक्ताओं को ज्यादा दिन तक सेवा प्रदान करते हैं। एयरटेल का 469 रुपए का 84 दिन वाला प्लान और 1849 रुपए का सालभर वाला प्लान ग्राहकों को निरंतर संपर्क बनाए रखने का विकल्प देता है।

मधुमेह और वजन घटाने की दवाओं को बाजार में उतारने की मची होड़

- सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करण बाजार में लॉन्च की तैयारी

नई दिल्ली।

मधुमेह और वजन घटाने की दवाओं की वैश्विक मांग बढ़ने के कारण, भारतीय फार्मा कंपनियां सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करणों (जीएलपी-1) को बाजार में लाने की तैयारी है। सेमग्लूटाइड एक दवा है जो मधुमेह और मोटापे के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाती है। इस दवा का पेटेंट मार्च 2026 में खत्म हो जाएगा, जिसके बाद भारतीय कंपनियां इसके जेनेरिक संस्करण को बाजार में लाएंगी। भारत में अभी सेमाग्लूटाइड गोली और इंजेक्शन के रूप में उपलब्ध है जिसे डेनमार्क की कंपनी नोवो नॉर्डिस्क बनाती है।

दवा के जेनेरिक संस्करण का लॉन्च बेहद महत्वपूर्ण होगा क्योंकि भारतीय ग्राहकों के लिए कीमतें मौजूदा 17,000-26,000 रुपए मासिक से काफी कम होने की उम्मीद है जिससे ज्यादा मरीज इसका लाभ उठा पाएंगे। डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, सिप्ला, सन फार्मा, मैनकाइंड फार्मा और अन्य कंपनियां लॉन्च करने की तैयारी में है। ये कंपनियां पेप्टाइड के उत्पादन को बढ़ा रही हैं और दूसरे इंतजाम के लिए साझेदारी कर रही हैं और नियामकीय रणनीतियों के अनुरूप ढलने की कोशिश में हैं ताकि तेजी से बढ़ते जीएलपी-1 बाजार में अपनी हिस्सेदारी बना सकें।

उम्मीद है कि दशक के अंत तक इस दवा का वैश्विक बाजार 150 अरब डॉलर से भी ज्यादा हो जाएगा। हैदराबाद की कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज (डीआरएल) की योजना, 2026 से 87 देशों में सेमाग्लूटाइड को वैश्विक स्तर पर लॉन्च करने की है जिसके तहत पेटेंट खत्म होते ही भारत और ब्राजील में इसे पहले ही दिन लॉन्च किया जाएगा। कंपनी के सीईओ ने कहा है कि उनकी दवा की कीमत नोवो नॉर्डिस्क की दवा की प्रतिमाह 17,000 रुपए से कम होगी। कंपनी अगले दशक में चरणबद्ध लॉन्च के लिए 26 पेप्टाइड आधारित जीएलपी-1 दवाएं भी तैयार कर रही है जिसके लिए 2026 में पेप्टाइड और बायोसिमिलर उत्पादन बढ़ाने के लिए 2,700 करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च किया जाएगा।

सिप्ला आंतरिक स्तर पर साझेदारी के जरिये पहले चरण के लॉन्च का लक्ष्य रखा है। कंपनी के एमडी और वैश्विक सीईओ ने कहा कि पिछले पांच सालों में हमने जीएलपी-1 को थेरेपी के क्षेत्र में एक बड़े मौके के तौर पर देखा है।

जेन स्ट्रीट की हेराफेरी ने भारत के डेरिवेटिव बाजार की खामियों को किया उजागर

नई दिल्ली।

देश के नियामकों ने एक हाई फ्रीक्वेंसी वाली ट्रेडिंग फर्म, जेन स्ट्रीट को बाजार में हेराफेरी करते पिछले दिनों पकड़ा था, लेकिन सच यह है कि इसने सालों की बढ़ोतरी के बाद भारत के डेरिवेटिव बाजार के मूल में मौजूद गहरी संरचनात्मक खामियों को उजागर कर दिया है। एक तो वायदा और विकल्प यानी एफऐंडओ कारोबार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सूचकांक त्रुटिपूर्ण हैं। दूसरा नीति निर्माताओं का यह दावा पूरी तरह सही नहीं है कि डेरिवेटिव बाजार कुशल मूल्य निर्धारण को सक्षम बनाता है, बाजार में नकदी की स्थिति में सुधार करता है और निवेशकों को जोखिम प्रबंधन की अनुमति देता है। इंडेक्स डेरिवेटिव्स में विशाल मात्रा केवल दो सूचकांकों तक सीमित है। निफ्टी 50 और बैंक निफ्टी और कुछ हद तक फिननिफ्टी। सूचकांक निर्माण को अक्सर एक अजीबो-गरीब अभ्यास माना जाता है। इसमें भार, नकदी, मुक्त प्रवाह, क्षेत्रवार प्रतिनिधित्व जैसे कार्यप्रणाली संबंधी मुद्दों पर बहस होती है और फिर सूचकांकों में शेयरों को जोड़ने और हटाने के लिए समय-समय पर इन सबकी समीक्षा होती है। ऐसे तकनीकी निर्णय ट्रेडिंग और सट्टेबाजी के लिए गौण लग सकते हैं, लेकिन इनके गहरे निहितार्थ होते हैं। इंडेक्स एफऐंडओ बाजार पर करीब काबिज दो सूचकांकों में से, बैंक निफ्टी और भी ज्यादा विषम है। इसके दो घटक यानी एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक इसके भार का आश्चर्यजनक रूप से 53 फीसदी हिस्सा रखते हैं। सूचकांक के शीर्ष पांच शेयरों का कुल भार 82 फीसदी है। यदि यह सूचकांक एक ऐसा उत्पाद होता जो केवल बैंकिंग शेयरों की दिशा का संकेत देता, तो यह हानिरहित होता। लेकिन यदि कोई म्युचुअल फंड बैंकिंग क्षेत्र का फंड प्रस्तुत करना चाहता है, तो वह बैंक निफ्टी को मानक सूचकांक के रूप में इस्तेमाल करेगा। समस्या यहीं से शुरु होती है। सेबी चाहता है कि निवेश प्रबंधक मानक सूचकांक को गंभीरता से लें, लेकिन एक ऐसा सूचकांक कितना सार्थक हो सकता है जहां 53 फीसदी भार दो शेयरों में है? यदि एक बैंकिंग क्षेत्र के फंड ने 25-30 शेयरों में निवेश किया है, जिसमें से 10 फीसदी एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को आवंटित हैं, तो ऐसे फंड के लिए मानक सूचकांक कितना सार्थक होगा?

ऑटो पीएलआई योजना में 84 में से 16 कंपनियों ने किए मानदंड पूरे

-16 कंपनियों को कुल 107 मॉडलों व कलपुर्जों के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने करीब दो साल पहले वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के लिए 25,938 करोड़ रुपए की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू की थी, लेकिन इसके लिए पात्र 84 आवेदकों में से महज 16 कंपनियां ही अपने मॉडलों के लिए स्थानीय मूल्यवर्धन संबंधी मानदंडों को पूरा कर पाई हैं जो प्रोत्साहन पात्रता के लिए जरुरी है। इन 16 कंपनियों को कुल 107 मॉडलों व कलपुर्जों के लिए मंजूरी मिल गई है। इन कंपनियों ने 31 जुलाई तक के आंकड़ों के आधार पर प्रोत्साहन हासिल करने के लिए पात्रता के स्थानीय मूल्यवर्धन संबंधी मानदंडों को पूरा कर लिया है। भारत में मोटर बनाने के लिए जरुरी दुर्लभ खनिजों के आयात पर चीन के प्रतिबंधों के कारण 50 फीसदी स्थानीयकरण के लक्ष्य तक पहुंचना वाहन विनिर्माताओं के लिए कठिन हो सकता है। यही कारण है कि वाहन उद्योग स्थानीयकरण की गणना में मोटरों को शामिल न करने के लिए सरकार से अनुरोध कर रहा है। शुरू में इस योजना को 1 अप्रैल 2022 से मार्च 2027 तक लागू किया गया था, लेकिन बाद में उसे एक साल बढ़ाकर 2028 कर दिया गया। एक वाहन विनिर्माता के पहले मॉडल को 50 फीसदी स्थानीय मूल्यवर्धन को पूरा करने पर पीएलआई योजना के तहत प्रोत्साहन के लिए 17 अगस्त 2023 को मंजूरी दी गई थी। स्थानीय मूल्यवर्धन मानदंडों को पूरा करने वाले मॉडल रखने वाली कंपनियों के रिकॉर्ड से एक अलग तस्वीर सामने आती है। प्रमुख ओईएम और वाहन क्षेत्र के नए निवेशकों के बीच 20 कंपनियों में से महज 7 कंपनियों के पास ही ऐसे मॉडल हैं जिनके लिए आवेदन किया गया और स्थानीय मूल्यवर्धन की मंजूरी मिली है। इनमें से 15 कंपनियों के इलेक्ट्रिक वाहन सड़क पर मौजूद हैं। चार ऐसी कंपनियां हैं जिनके पास एक भी ईवी मॉडल नहीं है। ध्यान देने की बात यह भी है कि ओईएम चैंपियन श्रेणी में ऐसी कोई भी बहुराष्ट्रीय कंपनी नहीं है जिसे स्थानीय मूल्यवर्धन मानदंडों को पूरा करने की मंजूरी मिली हो। इनमें सुजूकी, ह्युंडै, किया और पीसीए ऑटोमोबाइल्स समेत सभी घरेलू कंपनियां हैं। वाहन कलपुर्जा के मामले में यह आंकड़ा काफी कमजोर है, जहां 64 पात्र कंपनियों में से महज 9 कंपनियों को ही पीएलआई प्रोत्साहन के लिए मंजूरी मिल पाई है लेकिन करीब 3 कंपनियों को ट्रैक्शन मोटर्स या हब मोटर्स के साथ एकीकृत व्हील रिम बनाने की मंजूरी मिल गई है। चीन में दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर पाबंदियों के कारण उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

भारती एयरटेल की कुल आमदनी 49,615 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान

-अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में शानदार प्रदर्शन की बैठक में होगी घोषणा

नई दिल्ली।

देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी भारती एयरटेल इस बार अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में शानदार प्रदर्शन कर सकती है। कंपनी के नतीजे मंगलवार अगस्त को घोषित किए जाएंगे। विश्लेषकों का मानना है कि इस तिमाही में कंपनी की आमदनी और मुनाफा दोनों में अच्छी बढ़त देखने को मिल सकती है। इसकी वजह भारत में मोबाइल ग्राहकों की संख्या में इजाफा और औसत प्रति यूजर आय में सुधार माना जा रहा है।

भारती एयरटेल ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि कंपनी के बोर्ड की बैठक 5 अगस्त को होनी है। इस बैठक में कंपनी अप्रैल-जून तिमाही के स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड वित्तीय नतीजों पर मुहर लगाएगी। ये तिमाही 30 जून 2025 को खत्म हो गई है। बाजार के चार प्रमुख ब्रोकरेज संस्थानों नुवामा, कोटक, प्रभुदास लीलाधर और जेएम फाइनेंशियल ने अपने अनुमान जारी किए हैं। सभी ने भरोसा जताया है कि एयरटेल का प्रदर्शन मजबूत रहेगा। नुवामा का मानना है कि एयरटेल की कुल आमदनी 49,615 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है, जो पिछली तिमाही 48,362 करोड़ थी यानी करीब 2.6 फीसदी की ग्रोथ। साल दर साल तुलना करें तो यह बढ़त 27.6 फीसदी मानी जा रही है। भारत के मोबाइल सर्विस बिजनेस में ग्राहकों की संख्या बढ़ने से करीब 3.4फीसदी ग्रोथ आ सकती है, हालांकि एआरपीयू में केवल मामूली बढ़त का अनुमान है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को हराया, सीरीज बराबर

लंदन (एजेंसी)। भारत ने उतार-चढ़ाव से भरे बेहद रोमांचक पांचवें और अंतिम टेस्ट के पांचवें दिन सोमवार को यहां मोहम्मद सिराज के करिश्माई प्रदर्शन से इंग्लैंड को 6 रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी जिसे क्रिकेट की दो दिग्गज टीमों के बीच बेहद कड़े मुकाबले के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।

सिराज ने तूफानी गेंदबाजी का नजारा पेश करते हुए 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और टीम की जीत के नायक साबित हुए। उन्होंने श्रृंखला में कुल 23 विकेट चटकाए और दोनों टीमों में सबसे सफल गेंदबाज रहे। भारत के 374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने चौथे दिन जब छह विकेट पर 339 रन बनाए थे जब खराब रोशनी और बारिश के कारण खेलना रोकना पड़ा था। इंग्लैंड को अंतिम दिन जीत के लिए 35 रन जबकि भारत को चार विकेट की दरकार थी।

सिराज की अगुआई में भारत ने हालांकि इंग्लैंड को 85.1 ओवर में 367 रन पर समेट दिया और रोमांचक जीत दर्ज की। प्रसिद्ध कृष्णा ने भी 126 रन देकर 4 विकेट चटकाए। कंधे में चोट बावजूद क्रिस वोक्स एक हाथ में बल्ले थामे अंतिम बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे और काफी दर्द के बावजूद मैदान पर डटे रहे लेकिन अंततः सिराज ने गस एटकिंसन (17) को बोल्ड करके भारत को जीत दिला दी।

इंग्लैंड ने लीड्स में पहला मैच पांच विकेट से जीत दर्ज की थी जबकि भारत ने बर्मिंघम में जोरदार वापसी करते हुए दूसरा टेस्ट 336 रन से जीता था। लार्ड्स में तीसरे टेस्ट में मेजबान टीम ने 22 रन की रोमांचक जीत दर्ज की जबकि मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा। इसके बाद भारत ने जो रूट और हैरी ब्रूक की शतकीय पारियों के बावजूद चौथी शाम चार विकेट चटकाकर जोरदार वापसी की और फिर श्रृंखला के अंतिम दिन जीत दर्ज की।

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ जीत की सरल योजना का खुलासा किया

लंदन (एजेंसी)। भारत ने लंदन के ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला बराबर की। पारी में 5 और मैच में कुल 9 विकेट लेकर जीत के सूत्रधार रहे मोहम्मद सिराज को प्लेयर ऑफ द मैच मिला। जीत के बाद सिराज ने योजना का खुलासा किया जो इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए बनाई थी।

सिराज ने कहा, 'सच कहूं तो, यह बहुत अच्छा लग रहा है। हम पहले दिन से ही कड़ी टक्कर देना चाहते थे और यह नतीजा देखकर बहुत अच्छा लगा। हमारी योजना थी कि इसे सरल रखा जाए और एक ही जगह पर गेंद डाली जाए। आज जब मैं उठा तो मुझे विश्वास था कि मैं आज यह कर सकता हूं। अगर मैंने वह कैच ठीक से पकड़ा होता, तो शायद हमें आज यहां आने की जरूरत ही न पड़ती। लेकिन ब्रूक ने वाकई बहुत अच्छा खेला। यह दिल तोड़ने वाला पल था। वह बस मुझे गेंद को बीच में रखने के लिए कह रहे थे। अपने पिता को और यहां तक पहुंचने के लिए की गई आपकी कड़ी मेहनत को याद करो।'

गौर हो कि भारत ने टॉस हारने के बाद पहली पारी में करुण नायर के अर्धशतक (57) की बदौलत 224 रन बनाए। नायर के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज पहली पारी में चल नहीं सका। लेकिन मोहम्मद सिराज (4) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 247 पर रोक दिया जिसमें जैक क्रॉली और हैरी ब्रुक ने अर्धशतक लगाए।

इंग्लैंड द्वारा मामूली बढ़त (23) के बाद भारत ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के शतक (118) और आकाशदीप (66), रविंद्र जडेजा (53) तथा वाशिंगटन सुंदर (53) के अर्धशतकों की बदलौत 396 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम की शुरूआत खराब रही लेकिन हैरी ब्रुक ने 19 रन पर मिले जीवनदार का फायदा उठाते हुए जो रूट (105) के बाद शतकीय पारी (ब्रुक 111) खेली। लेकिन करीबी मुकाबले में भारत ने मोहम्मद सिराज (5) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत 6 विकेट से जीत दर्ज की।

सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद फिट होने के लिए एनसीए पहुंचे, एशिया कप की तैयारी शुरू

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (NCA) में है। सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में पुनर्वास और फिटनेस आकलन के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सेंटर में रिपोर्ट की थी। पूरी तहर फिट न होने के कारण उन्हें पश्चिम क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने दलीप ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा। ऐसा माना जा रहा है कि सूर्यकुमार ने उन्हें सूचित कर दिया था कि उन्होंने सीओई जांच करा ली है।

म्यूनिख में हुई उनकी हर्निया की सर्जरी के बाद वह पुनर्वास की प्रक्रिया में है। सूर्यकुमार का अगला बड़ा टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक UAE में होने वाला एशिया कप है। इस तेजतरर्र टी-20 बल्लेबाज से इस टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करने की उम्मीद है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों के अनुसार उन्हें इस आयोजन से पहले पूरी तरह फिट होने का भरोसा है। उन्हें आखिरी बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए देखा गया था।

इस बीच पता चला है कि श्रेयस अय्यर पिछले हफ्ते फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई आये थे। अब वह मुंबई लौट गये हैं और माना जा रहा है कि यह दौरा नियमित जांच के लिए था। बताया जा रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं। एशिया कप के लिए चुने जाने तक, उन्हें दलीप ट्रॉफी में खेलना चाहिए।

अय्यर आखिरी बार आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी की कप्तानी करते हुए देखे गए थे। आईपीएल के बेहद सफल सीजन के बाद एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए भारतीय टेस्ट टीम में उनके शामिल होने की काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अपेक्षित चयन नहीं हो पाया। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय दलीप ट्रॉफी मैच 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होंगे, लेकिन पश्चिम क्षेत्र की टीम जिसे सीधे सेमीफाइनल में जगह दी गई है। अपना पहला मैच चार सितंबर से खेलेगी।

फरहान और अयूब का शानदार प्रदर्शन, पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज जीती

फ्लोरिडा (अमेरिका) (एजेंसी)। साहिबजादा फरहान और सैम अयूब के अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने सोमवार को फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरा और अंतिम टी20 मैच 13 रनों से जीतकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम अयूब और साहिबजादा फरहान की सलामी जोड़ी ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 47 रन जोड़कर पाकिस्तान को शानदार शुरुआत दिलाई।

उन्होंने लय बरकरार रखी और पारी के मध्य तक टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 82 रन तक पहुंचाकर पाकिस्तान का दबदबा और बढ़ा दिया। फरहान ने अपना तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया। अयूब ने भी अपने साथी के

साथ मिलकर अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया और पाकिस्तान के लिए 100 रनों की शुरुआती साझेदारी पूरी की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 रन जोड़े, इससे पहले कि शमर जोसेफ ने 17वें ओवर में फरहान को 74 रन पर आउट कर दिया। हसन नवाज ने रोस्टन चेज की गेंद पर अपना विकेट गंवाने से पहले कुछ बड़े शॉट खेले, इसके बाद हारिस रन आउट हो गए और वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की। खुशदिल शाह और फहीम अशरफ ने अंतिम ओवर में 19 रन ठोक डाले और पाकिस्तान ने अपनी पारी 189/4 पर समाप्त की।

जवाब में 190 रनों का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज एलिक अथानाजे और जेरलानी एंड्रयू ने भी अपनी टीम को शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े, इससे पहले कि हारिस राउफ ने 5वें ओवर में एंड्रयू को 24 रन पर आउट कर दिया। कप्तान शाई होप का बल्ले से रनों का सूखा जारी रहा और 9वें ओवर में मोहम्मद नवाज ने उन्हें सात रन पर आउट कर दिया।

अथानाजे ने 11वें ओवर में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया, उन्होंने अपने कुल स्कोर में 10 रन और जोड़े, इससे पहले कि अगले ओवर में अयूब ने उन्हें 60 रन पर आउट कर दिया। रोस्टन चेज ने 15 रन बनाए लेकिन वे रन नहीं बना पाए और 18 गेंदों में जीत के लिए 41 रन शेष रहते रिटायर हो गए। शेरफेन रदरफोर्ड ने 35 रनों पर महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया और अपनी टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन घरेलू टीम अंततः लक्ष्य से 13 रन पीछे रह गई। फरहान को उनके शानदार अर्धशतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि नवाज को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

दलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में वापसी का प्रयास करेंगे श्रेयस

मुम्बई (एजेंसी)। इसी माह शुरु होने जा रही दलीप ट्रॉफी में अब श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे और सरफराज खान जैसे क्रिकेटर भी खेलते दिखेंगे। भारतीय टीम से बाहर चल रहे श्रेयस का प्रयास घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का टीम इंडिया में वापसी करना है। इसी को देखते हुए श्रेयस ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए अपने को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी। श्रेयस के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी इसके लिए अपने को उपलब्धत बताया है। इन क्रिकेटरों ने मुंबई क्रिकेट संघ को अपने खेलने की जानकारी दे दी है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। वहीं सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5अर्धशतक और एक शतक लगाया है। अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल गेंद वाला क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह मिली थी। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले सात टीम से बाहर कर दिया गया था हालांकि इस बार उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी मिल गय है। जिससे अब वह घरेलू क्रिकेट में और बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना चाहते हैं।

यश ढुल ने डीपीएल 2025 का पहला शतक जड़ सेंट्रल दिल्ली किंग्स को दिलाई जीत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल 2025) के दूसरे दिन का पहला मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 8 विकेट से मात दी। यह मैच 3 अगस्त को दिल्ली के ऐतिहासिक अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले के हीरो रहे युवा बल्लेबाज यश धुल, जिन्होंने सीजन का पहला शतक जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। 175 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। सलामी बल्लेबाज यश धुल ने विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए महज 55 गेंदों पर शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में कुल 15 चौके-छक्के (8 चौके और 7 छक्के) जड़े। यश धुल ने 56 गेंदों में 101 रन बनाए और 180.36 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए विपक्षी टीम को कोई मौका नहीं दिया। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 17.3 ओवर में ही 177 रन बना लिए और 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यश के अलावा युगल सैनी ने भी उपयोगी योगदान दिया और 24 गेंदों में 36 रन बनाए। वहीं कप्तान जोंटी सिद्धू 19 गेंदों पर 23 रन बनाकर नाबाद लौटे। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से दोनों विकेट कुलदीप यादव ने चटकाए, लेकिन बाकी गेंदबाज बिखरे नजर आए।

रूट घरेलू धरती पर सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बने

ओवल। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। रुट ने दूसरी पारी में 152 गेंदों में 12 चौकों की सहायता से 105 रन बनाये। यह रूट के टेस्ट करियर का 39वां शतक है। इसी के साथ ही रूट घरेलू धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 24वां टेस्ट शतक लगाकर शीर्ष पर पहुंच गये। रूट ने इस शतक के साथ ही श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस का रिकार्ड तोड़ा। इन तीनों ने ही अपने धरती पर टेस्ट क्रिकेट में 23-23 शतक लगाये हैं। रूट ने इसके अलावा श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा को भी पीछे छोड़ा है। संगकारा इससे पहले टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर थे लेकर अब वह पांचवें स्थान पर फिसल गये हैं। संगकारा ने कुल 38 टेस्ट शतक लगाए थे। टेस्ट में सबसे अधिक शतक का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम 51 शतक का है। उसके बाद जैक कैलिस के नाम 45 और पोंटिंग के नाम 41 शतक हैं। रूट ने इसके अलावा भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की बराबरी की है। रूट और स्मिथ ने भारत के सामने 16-16 शतक लगाये हैं। रूट ने भारत के खिलाफ 13 टेस्ट शतक लगाये हैं। वह एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब तक केवल भारतय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम ही ये रिकार्ड था। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध 13 टेस्ट शतक जड़े थे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय पुरूष हॉकी टीम का ऐलान, युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप की तैयारी के मद्देनजर 15 अगस्त से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में 24 सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम का ऐलान किया है जिसमें कर्नाटक के पूवन्ना सीबी नया चेहरा होंगे। अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट है जो 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में खेला जाएगा। इसकी तैयारी के लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की कमान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत के ही पास है जबकि गोलकीपिंग का जिम्मा कृशन पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और नए खिलाड़ी कर्नाटक के पूवन्ना

होंगे। मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है जिनकी अक्सर तुलना पूर्व कप्तान सरदार सिंह से होती है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे।

एशिया कप से पहले इस दौरे की अहमियत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'हमारा फोकस शारीरिक अनुकूलन बेहतर करने और तकनीकी पहलुओं पर रहेगा।' टीम में युवा खिलाड़ियों को चुने जाने के बारे में उन्होंने कहा, 'हमने कुछ युवाओं को दबाव में खेलने की उनकी क्षमता परखने और जरूरी एक्सपोजर देने के लिए चुना है।' भारतीय टीम 8 अगस्त को बेंगलुरू से ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी जहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर शिविर चल रहा है।

टीम - गोलकीपर : कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा

डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित , जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह , पूवन्ना सीबी

मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे

राजगीर में एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप नजर आयेंगी शीर्ष खिलाड़ी

पटना। बिहार के राजगीर स्टेडियम में आने वाले दिनों में एशिया के शीर्ष रग्बी खिलाड़ी खेलते हुए नजर आयेंगे। इन देशों की टीम लेगी। यहां इसी माह 9 और 10 अगस्त को होने वाली एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 में 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें भारत के अलावा हांगकांग, चीन, यूएई, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल के रग्बी खिलाड़ी भाग लेंगे। इस आयोजन को लेकर रग्बी इंडिया के प्रेसिडेंट राहुल बोस ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रौत्सान के कारण ही बिहार में रग्बी जैसे खेल को भी विकसित होने का अवसर मिला है। 9 और 10 अगस्त को होने वाले इस अंतरराष?ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए 7 अगस्त से ही टीम राजगीर पहुंचने लगेंगी। साथ ही कहा कि राजगीर में आने वाले खिलाड़ियों का भव्य स्वागत होगा। वहीं 8 अगस्त को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रंगारंग उद्घाटन समारोह रखा गया है। इस टूर्नामेंट में एशिया के 32 रग्बी खेलने वाले देशों में से केवल शीर्ष 12 रैंकिंग वाली टीमें ही शामिल हो रही हैं। ऐसे में यहां बेहद रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। यह आयोजन बिहार के लिए इसलिए भी विशेष है, क्योंकि रग्बी यहां 14 प्राथमिकता वाले खेलों में शामिल है। हाल ही में नेशनल गेम्स में बिहार की महिला टीम ने रजत पदक जीता था। रग्बी चैम्पियनशिप से राज्य के उभरते हुए खिलाड़ियों को भी प्रौत्साहन मिलेगा।

ओली को कप्तानी के योग्य नहीं मानते वॉन , बोले हैरी को दें जिम्मेदारी

ओवल। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ जारी पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच में एक ऐसी मांग कर दी जिससे सभी हैरान हो गये। वॉन ने कहा कि ओली पोप टीम की कप्तानी करने के योग्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें हटा दिया जाना चाहिये। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स के चोटिल होने के कारण इस मैच में ओली इंग्लैंड टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ओली वैसे तो पहले भी टेस्ट मैच में कप्तानी कर चुके हैं पर वॉन उन्हें इस भूमिका के काबिल नहीं मानते। इस पूर्व कप्तान वॉन के अनुसार ऑली की जगह प हैरी ब्रूक को कपतान बनाया जाना चाहिये। वॉन ने इंग्लैंड के लिए 51 टेस्ट में कप्तानी की है, जिसमें से वह 26 में जीते थे। वॉन के अनुसार हैरी अच्छे बल्लेबाज हैं। उन्होंने केवल 30 टेस्ट में 9 शतक लगाये हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के चौथे दिन शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर हालत में पहुंचाया। उनकी पारी की बदौलत ही इंग्लैंड टीम 6 विकेट पर 339 रन बना पायी। से महज 35 रन दूर है. वॉन ने कहा, 'हैरी ब्रूक, मुझे एक लीडर की तरह दिखते हैं।' इस क्रिकेटर को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड का सीमित ओवरों के लिए कप्तान बनाया गया था। वहीं वॉन से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं ओली को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखता हूं जो शानदार उप-कप्तान हैं। वे कप्तान को सलाह देने के लिए एक शानदार व्यक्ति हैं। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि उप-कप्तान शानदार कप्तान नहीं होते। जैसे मार्कस ट्रेस्कोथिक मेरे लिए बेहतरीन उप-कप्तान थे पर वह कप्तानी नहीं कर पाये।'

अमन कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में डेब्यू के लिए तैयार, सुजीत ने भी बनाई भारतीय टीम में जगह

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत (57 किग्रा) को विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में कोई खास चुनौती नहीं मिली तो वहीं सुजीत कलकल ने शानदार कौशल दिखाते हुए सोमवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। क्रोएशिया के जगरेब में अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप 2024 में पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतने के बाद सहरावत का विश्व स्तर का दूसरा टूर्नामेंट होगा। इस 22 साल के पहलवान ने जून में प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करते हुए मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता था। वह हालांकि यहां ट्रायल में मंगोलिया की तुलना में कहीं बेहतर नजर आये। उन्होंने अपने पहले मुकाबले में सुमित के खिलाफ मात्र एक अंक गंवाने के बाद शुरुआती पीरियड में ही तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में राहुल को एकतरफा अंदाज में बिना कोई अंक गवायें तकनीकी श्रेष्ठता से मात दी। अमन ने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आया हूं। मेरी फिटनेस अच्छी है और मेरी लय भी वापस आ गई है। मैं विश्व चैंपियनशिप के लिए तैयार हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कुछ गलतियां की थी लेकिन वह एक साल बाद मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मुझे लगता है कि मैंने इतना बुरा प्रदर्शन नहीं किया था, मैं एक समय 11-6 से आगे भी चल रहा था, लेकिन मैं उस हार (मंगोलिया में) को स्वीकार करता हूं।''

इस जीत की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती, राहुल ने इंग्लैंड पर जीत के बाद दिया पहला बयान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ रोमांच की पराकाष्ठा पर पहुंचे पांचवें टेस्ट मैच में भारत की यादगार जीत के बाद टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल लोकेश राहुल ने सोमवार को इसे अपने अब तक के करियर की सबसे यादगार श्रृंखला करार दिया। इस मैच से पहले श्रृंखला में 2-1 से आगे इंग्लैंड को आखिरी दिन मैच और श्रृंखला जीतने के लिए 35 रन की जरूरत थी। भारत के सामने चार विकेट लेने की मुश्किल चुनौती थी। मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 367 रन पर आउट कर छह रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के दौर पर 532 रन बनाने वाले राहुल ने कहा, 'यह जीत मेरे लिए सब कुछ है। मैं पिछले कई साल से क्रिकेट खेल रहा हूं। मैं चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहा हूं। मैंने टीम को विश्व कप ट्रॉफी उठाते हुए देखा है लेकिन इस जीत की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती है।' श्रृंखला के सभी मैच पांचवें दिन तक चले और क्रिकेट जगत ने इसे पांच मैचों की सबसे रोमांचक श्रृंखला में एक करार दिया। राहुल ने कहा, 'पिछले काफी समय से इस बात पर चर्चा हो रही है कि टेस्ट क्रिकेट का भविष्य क्या होगा लेकिन हमने जिस तरह से खेला है, उससे हमने उन सभी सवालों का जवाब दे दिया है।'

उन्होंने टीम के युवा खिलाड़ियों के जज्बे की तारीफ की। इस श्रृंखला से पहले हमें जीत का दावेदार नहीं माना जा रहा था लेकिन हमने हर मैच में संघर्ष किया और श्रृंखला को 2-2 से बराबर करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, 'यह श्रृंखला भले ही ड्रॉ रही हो लेकिन हमने हर मैच में जज्बा दिखा। यह भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए, यह सबसे ऊपर रहेगा और यहीं से बदलाव की शुरुआत होती है।'

राहुल ने कहा कि यह सिर्फ आगाज और यह टीम भविष्य में कई श्रृंखलाएं जीतेगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद टीम श्रृंखला में जीत की दावेदार नहीं थी लेकिन उसने हर मैच में इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा, 'भारतीय टेस्ट टीम भविष्य में कई मैच और श्रृंखला जीतेगी। टीम में रोहित (शर्मा), विराट (कोहली) और रविचंद्रन (अश्विन) की गैरमौजूदगी के बारे में सोच कर मैं दो सप्ताह तक चिंतित था। मैं अचानक से अलग तरह की भूमिका में आ गया था। हर कोई मुझे से इंग्लैंड की परिस्थितियों के बारे में पूछ रहा था।'

उन्होंने गिल की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा, 'गिल ने शानदार तरीके से कप्तानी की। वह खिलाड़ियों से शानदार तरीके से घुलमिल गए। वह रणनीतिक तौर पर शानदार थे, उन्होंने गेंदबाजी में कुछ शानदार बदलाव किए जिससे हम विकेट लेने में सफल रहे। वह शानदार टेस्ट कप्तान बनेंगें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसे बनाएं अपने लिविंग रूम को खूबसूरत और हटके? ट्राई करें ये बेहतरीन प्रोडक्ट्स

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है।

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है। लेकिन क्या आपका लिविंग रूम अब बोरिंग और पुराना हो गया है? क्या आपको भी लगता है कि इस जगह को थोड़ा नयापन चाहिए, वो भी बिना ज़्यादा खर्च किए? अगर हाँ, तो आपको बस अपनी सजावट में थोड़ा क्रिएटिव टच जोड़ने की ज़रूरत है। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन और आसान डेकोरेशन टिप्स जो आपके लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ा देंगे।

दीवारों को सजाएँ

दीवारें किसी भी कमरे का मूड सेट करती हैं। आप अपने लिविंग रूम की दीवारों को हल्के पेस्टल शेड्स से पेंट कर सकते हैं या वॉलपेपर लगा सकते हैं। आजकल ट्रेंडी वॉल आर्ट भी काफी पसंद किए जा रहे हैं।

कुशन और पर्दों से मूड बदलें

लिविंग रूम में सोफ़े या कुर्सी का लुक बदलना मुश्किल हो सकता है, लेकिन आप कुशन कवर और पर्दों को बदलकर पूरे कमरे का लुक आसानी से बदल सकते हैं। चटख, कॉन्ट्रास्टिंग रंगों और पैटर्न वाले कपड़ों का इस्तेमाल करें। मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, गर्मियों में सूती और सर्दियों में मखमल या रेशमी।

पौधे लगा सकते हैं

पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आपके घर को एक प्राकृतिक और ताज़ा रूप भी देते हैं। स्नेक प्लांट, मनी प्लांट या एरेका पाम जैसे इनडोर पौधे आपके लिविंग रूम को सुंदर और शांत बना सकते हैं। कोने की मेज या खिड़की पर छोटे पौधे सजाएँ।

प्रकाश व्यवस्था का सर्वोत्तम उपयोग करें

सिर्फ़ अच्छी रोशनी ही लिविंग रूम के रूप को निखार सकती है। हल्की पीली लाइटें, फ्लोर लैंप या फेयरी लाइटें कमरे को आरामदायक और आकर्षक बना सकती हैं। सेंटर लाइट के साथ कुछ साइड लैंप भी लगाएँ।

एक्सेसरीज़ से जोड़ें अपना निजी स्पर्श

फोटो फ्रेम, कैंडल स्टैंड, बुक शेल्फ़ या हाथ से बनी कलाकृतियाँ, ये सभी आपके लिविंग रूम को अनोखा और आपके व्यक्तित्व के अनुरूप बना सकते हैं।

लिविंग रूम को नया रूप देना कोई महंगा या मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ी सी रचनात्मक सोच, कुछ किफायती सजावट के आइडिया और सही संयोजन से, आप अपने लिविंग रूम को स्टाइलिश, सुंदर और खास बना सकते हैं। तो देर किस बात की? इन सुझावों को आज़माएँ और अपने घर को एक नया और ताज़ा एहसास दें।

घर हमेशा दिखता है बिखरा और गंदा? ऑर्गेनाइज करने के लिए फॉलो करें 7 टिप्स, लाइफ बनेगी आसान

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में साफ-सुथरे और ऑर्गेनाइज्ड घर की चाहत तो सबको होती है, लेकिन समय की कमी, थकान और दिनभर के तनाव के बीच अक्सर घर बिखरा हुआ और अस्त-व्यस्त नजर आता है। चाहे आप गृहिणी हों, ऑफिस जाने वाले प्रोफेशनल या स्टूडेंट — गंदा और बिखरा घर मानसिक शांति को भी प्रभावित करता है। साइकोलॉजिकल स्टडीज़ भी बताती हैं कि साफ और व्यवस्थित घर में रहने वाले लोग अधिक फोकस्ड और मानसिक रूप से शांत रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ आसान आदतों और स्मार्ट टिप्स को अपनाकर अपने घर को साफ और ऑर्गेनाइज रख सकें। यहां हम आपको बता रहे हैं 7 आसान और कारगर टिप्स, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ आपका घर हमेशा चमकता रहेगा, बल्कि आपकी लाइफ भी बेहतर और आसान बन जाएगी।

1. हर चीज़ की तय जगह बनाएं

घर में जितनी चीजें हैं, अगर उनकी एक फिक्स जगह तय हो जाए तो आधा काम वहीं खत्म हो जाता है। चाबियों के लिए की-होल्डर, रिमोट्स के लिए बॉक्स और जूतों के लिए शू-रैक जैसे साधारण उपाय घर को ऑर्गेनाइज रखने में मदद करते हैं।

2. वन इन, वन आउटफ्न रूल अपनाएं

जब भी कोई नई चीज़ घर लाएं, तो एक पुरानी या अनुपयोगी चीज़ को बाहर निकाल दें। इससे फालतू सामान जमा नहीं होगा और घर में जगह भी बनी रहेगी।

3. 10 मिनट क्लीनिंग रूटीन

हर दिन सिर्फ 10 मिनट का समय घर की सफाई को दें। आप चाहें तो सुबह उठते ही या रात सोने से पहले ये कर सकते हैं। इससे गंदगी जमा नहीं होगी और सफाई एक बोझ की तरह महसूस नहीं होगी।

4. स्मार्ट स्टोरेज का करें इस्तेमाल

बाजार में आजकल स्टोरेज बॉक्स, प्लास्टिक कंटेनर और ऑर्गेनाइज़र डिवाइडर उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल करके आप कपड़ों, बर्तनों, किताबों या बच्चों के खिलौनों को अच्छी तरह जमा सकते हैं।

5. साप्ताहिक %डिक्लटर डे%

हफ्ते में एक दिन ऐसा रखें जब आप घर की अनावश्यक चीजों की छंटाई करें। पुराने अखबार, खराब इलेक्ट्रॉनिक्स या बेकार कपड़े – जो भी जरूरी नहीं है, उसे अलग करें।

6. रात में 5 मिनट का राउंड

सोने से पहले घर का एक चक्कर लगाएं और देखें कि कौन सी चीज अपनी जगह से हट गई है। उन्हें वापस रख दें। इससे सुबह उठने पर घर साफ मिलेगा और दिन की शुरुआत बेहतर होगी।

7. नो डंप ज़ोनफ्न बनाएं

ऐसे स्थान तय करें जहां कोई भी चीज़ बिना सोचे-समझे न रखी जाए, जैसे डाइनिंग टेबल, सेंटर टेबल या एंट्रेंस एरिया। यह आदत आपके घर की सुंदरता बनाए रखेगी।

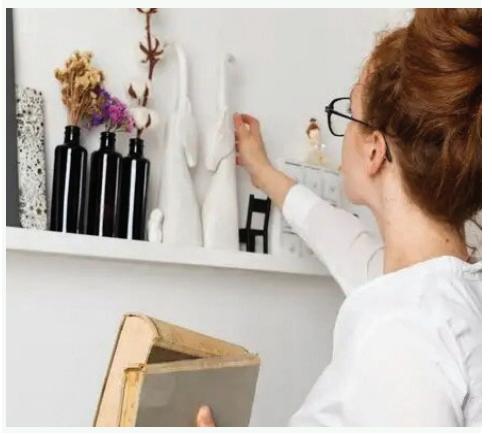

नया घर बनाते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान वरना उठाना पड़ेगा भारी नुकसान

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है।

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है। जब आप घर बनवा रहे होते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है ताकि वह रहने के लिए एक अच्छा और सुखद स्थान बन जाए। क्योंकि घर रोज-रोज नहीं बनता, इसलिए घर बनवाते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने के लिए कुछ नियमों का पालन किया जाता है। इससे घर में रहने वाले लोगों की खुशियां और तरक्की बढ़ती है। वास्तु शास्त्री अंशुल त्रिपाठी बता रहे हैं कि घर बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भूमि पूजन घर बनवाने से पहले भूमि पूजन करना बहुत शुभ माना जाता है। धरती को मां माना जाता है, इसलिए घर बनवाते समय खुदाई शुरू करने से पहले उसका सम्मान करना जरूरी होता है। इसे शुभ शुरुआत माना जाता है और इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

कुआं

घर बनवाते समय उत्तर-पूर्व दिशा में कुआं खोदें और उसी पानी का इस्तेमाल घर बनवाने में करें। इससे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में कुआं बनवाना अशुभ माना जाता है, इससे घर में परेशानी आ सकती है।

दरवाजा

दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई दरवाजा नहीं होना चाहिए। उत्तर या पूर्व दिशा में दरवाजा शुभ माना जाता है। दरवाजे अंदर की ओर खुलने चाहिए, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करे। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजे से सकारात्मक ऊर्जा बाहर की ओर प्रवाहित होती है।

पानी की निकासी

घर का गंदा पानी भी उत्तर-पूर्व दिशा में ही निकलना चाहिए।

पुराना घर खरीदते समय

अगर आप पुराना घर खरीद रहे हैं, या खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो उसे जरूर रंगवा लें। अगर आप खुद रंगवा सकते हैं या उसमें मदद कर सकते हैं, तो और भी अच्छा रहेगा। ऐसा करने से घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आएगी।

घर बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

मुख्य द्वार के सामने लगे पेड़ को हटाना।

बेडरूम में पलंग को दीवार से सटाकर रखें।

रसोई में गैस चूल्हे का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।

मंदिर घर के उत्तर-पूर्व कोने में होना चाहिए।

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

घर का लेआउट और व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य और खुशी को प्रभावित कर सकती है।

हमेशा बिखरी हुई रहती है अलमारी, इन 5 तरीकों से रखें ऑर्गेनाइज नहीं होगी कपड़े ढूंढने में तकलीफ

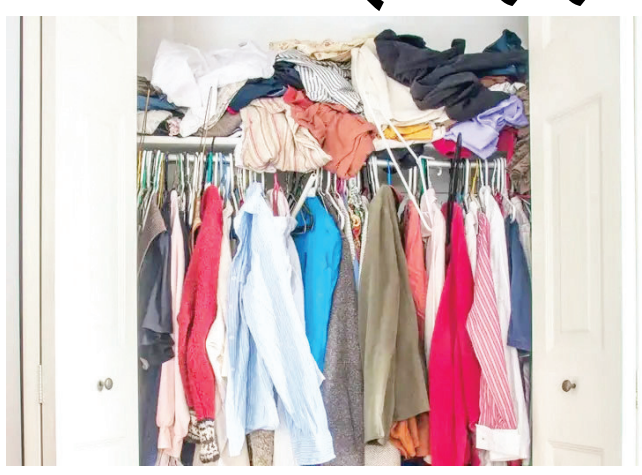

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है?

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है? दरअसल, हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियाँ कर देते हैं जिनकी वजह से हमारी अलमारी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। लेकिन अगर आप चाहें, तो छोटे-छोटे बदलावों से अलमारी को पूरी तरह साफ़, सुथरा और व्यवस्थित बना सकते हैं, तो आइए जानते हैं कि आप अपनी अलमारी को कैसे व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि आपके कपड़े व्यवस्थित और व्यवस्थित रहें।

पुराने और टाइट कपड़े हटाएँ

कई बार हम अलमारी में ऐसे कपड़े रख देते हैं जो अब हमें फिट नहीं आते या जिन्हें हमने पहनना बंद कर दिया है। ये कपड़े न सिर्फ़ जगह घेरते हैं बल्कि ज़रूरत के कपड़े ढूँढ़ना भी मुश्किल बना देते हैं। अगर आपके पास भी ऐसे कपड़े हैं, तो समय-समय पर उन्हें व्यवस्थित करना ज़रूरी है।

व्यवस्था प्रणाली अपनाएँ

जब अलमारी में कपड़ों को व्यवस्थित तरीके से रखने या रोज़मर्रा के कपड़ों को एक साथ रखने जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, तो चीजें जल्दी बिखर जाती हैं। अगर आप अपने कपड़ों को रोज़ाना सही और व्यवस्थित तरीके से रखें, तो चीजें आसानी से बिखर सकती हैं।

गलत हैंगर का इस्तेमाल

कई लोग भारी जैकेट या कोट के लिए कमज़ोर प्लास्टिक के हैंगर इस्तेमाल करते हैं जिससे कपड़े गिर जाते हैं या खराब हो जाते हैं। हर कपड़े के लिए सही हैंगर का इस्तेमाल करना बहुत ज़रूरी है ताकि कपड़े अपनी शेप में रहें और अलमारी साफ़-सुथरी दिखे। इसलिए भारी कपड़ों के लिए अलग और हल्के कपड़ों के लिए अलग हैंगर रखें।

अलमारी में जगह कम होना

कई लोगों की अलमारी में जगह कम होती है और अगर कपड़े ज़्यादा हों, तो उनका बिखरना स्वाभाविक है। ऐसे में शेल्फ डिवाइडर, स्टोरेज बॉक्स या मल्टी-लेयर हैंगर जैसे स्मार्ट स्टोरेज उपाय मददगार हो सकते हैं। ऐसा करने से कम जगह में ज़्यादा चीजें आ सकती हैं।

गलत तरीके से तह किए हुए कपड़े

कई बार कपड़ों को गलत तरीके से तह करने से चीजें खराब हो जाती हैं और अलमारी अव्यवस्थित लगती है। सही तह करने की तकनीक अपनाकर और उन्हें श्रेणी के अनुसार व्यवस्थित करके, आप जगह भी बचा सकते हैं और अलमारी को साफ़ भी रख सकते हैं।

कम बजट में घर को दें इंस्टाग्राम जैसा एस्थेटिक लुक, ये चीजें करेंगी कमाल

आजकल सोशल मीडिया पर खासकर इंस्टाग्राम पर कई ऐसे खूबसूरत रूम डेकोरेशन रील्स दिखती हैं जिन्हें देखकर मन करता है कि काश हमारा घर भी ऐसा ही स्टाइलिश और क्लासी होता। लेकिन हर कोई महंगे इंटीरियर पर खर्च नहीं कर सकता। ऐसे में अगर आप भी अपने आशियाने को नया लुक देना चाहते हैं तो परेशान न हों। कुछ सिंपल और किफायती चीजों से आप अपने घर को भी इंस्टाग्राम-लायक बना सकते हैं। आइए जानें कुछ आसान, सुंदर और बजट-फ्रेंडली आइडियाज।

घर को एलिगेंट लुक देने वाले इनडोर प्लांट्स

बड़े साइज के पौधे घर में एक अलग ही ताजगी और खूबसूरती लेकर आते हैं। आप एरेका पाम या स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगा सकते हैं, जो दिखने में स्टाइलिश होते हैं और हवा को भी शुद्ध करते हैं। इनका रख-रखाव भी आसान है और ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते।

लाइट कलर के पर्दों से बदलें कमरों का माहौल

पर्दों का रंग और फैब्रिक पूरे कमरे की फील को बदल सकता है। अगर आप अपने रूम को बड़ा, खुला और शांत दिखाना चाहते हैं तो व्हाइट, बेबी पिंक या बेज कलर के हल्के पर्दे लगाएं। ये रंग कमरे को आरामदायक और क्लासी लुक देते हैं।

फेयरी लाइट्स से लाएं रोशनी में जादू

हल्के रंग के पर्दों के साथ अगर आप फेयरी लाइट्स जोड़ देंगे तो आपका कमरा शाम के समय किसी मूवी सीन जैसा लगेगा। ये लाइट्स सॉफ्ट और वॉर्म इफेक्ट देती हैं, जिससे रूम और भी ज्यादा एस्थेटिक नजर आता है।

स्टैंडिंग लैम्प से बढ़ाएं रॉयल टच

अगर आप कमरे में मॉडर्न लुक लाना चाहते हैं तो एक अच्छा स्टैंडिंग लैम्प जरूर लगाएं। ये न सिर्फ लाइटिंग को बेहतर बनाता है बल्कि कमरे की शोभा भी बढ़ाता है। अगर आप किताबें पढ़ते हैं या घर से काम करते हैं, तो ये बेहद काम की चीज है।

वॉल आर्ट और फोटो फ्रेम से दीवारों को सजाएं

खाली दीवारें अक्सर उबाऊ लगती हैं। आप चाहें तो मोटिवेशनल कोट्स, सिंपल वॉल आर्ट या फिर अपनी यादों से भरे फोटो फ्रेम्स दीवारों पर लगा सकते हैं। इससे घर में पर्सनल टच आता है और हर दीवार एक कहानी कहने लगती है।

अरोमा डिफ्यूजर और कैंडल्स से महकाएं कमरा

कमरे की खुशबू उसका माहौल बदल सकती है। एक अच्छा अरोमा डिफ्यूजर आपके रूम को महकाने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। आप चाहें तो लैवेंडर, लेमन ग्रास या रोज फ्लेवर की कैंडल्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे कमरे में सुकून का एहसास होगा।

आपको अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ छोटे बदलाव और बजट-फ्रेंडली चीजों से भी आपका घर बिल्कुल इंस्टाग्राम जैसा दिख सकता है – क्लासी, शांत और आपके दिल के बेहद करीब।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस सांसद सुधा सुबह सैर पर निकलीं....बाइक सवार ने गले से सोने की चेन छीन ली

-घटना के बाद सांसद ने गृहमंत्री अमित शाह को लिखा खत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कांग्रेस सांसद सुधा रामकृष्णन के साथ चेन छीनने की घटना सामने आई है। यह वारदात चाणक्यपुरी इलाके में सोमवार सुबह करीब 6-15 बजे हुई। सांसद रामकृष्णन, जो तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से हैं, अपने साथी सांसद डीएमके की रजती के साथ पोलिश दूतावास के पास टहल रही थीं, तभी स्कूटर सवार एक बदमाश ने उनकी चेन छीन ली। बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था, इसकारण उसका चेहरा छिपा हुआ था। घटना में कांग्रेस सांसद रामकृष्णन की गर्दन पर चोट आई है और उनके कपड़े भी फटे है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भी लिखा है। दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में कई टीमें तैनात की हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और चश्मदीदों से भी पूछताछ कर रही है। तमिलनाडु भवन और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सांसद सुधा ने पत्र में बताया कि वे पिछले एक साल से नई दिल्ली में तमिलनाडु हाउस (कमरा नंबर 301) में रह रही हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक आधिकारिक आवास नहीं मिला है। वे नियमित रूप से संसदीय कार्यवाही और समिति बैठकों में भाग लेती हैं। सुधा ने बताया कि समय मिलने पर वह सुबह की सैर के लिए निकलती हैं। 4 अगस्त को सुबह करीब 6 बजे सुधा और राज्यसभा की एक अन्य सांसद सैर के लिए निकलीं। पोलैंड दूतावास के गेट-3 और गेट-4 के पास एक अज्ञात व्यक्ति, जो हेलमेट पहने हुए स्कूटी चला रहा था, ने उनकी सोने की चेन झपट ली। सांसद ने बताया कि स्कूटी सवार धीरे-धीरे विपरीत दिशा से आया, जिसके कारण उन्हें कोई शक नहीं हुआ। झपटमारी से उनकी गर्दन पर कुछ निशान भी पड़ गए। उन्होंने खत में लिखा है कि इस अचानक हुई वारदात से वे चोटिल हुईं। वह किसी तरह गिरने से बच गईं। इसके बाद दोनों सांसदों ने मदद की गुहार लगाई।

नकली नोट तस्करी के मामले में पुलिस बढ़ाएगी जांच का दायरा, नेपाल सीमा तक

-अयोध्या में आरोपी अब तक पांच लाख रुपये के नकली नोट खपा चुके

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में पकड़ी गई नकली नोट तस्करी के मामले में पुलिस नेपाल तक जांच का दायरा बढ़ा रही है। 31 जुलाई को रामजन्मभूमि पुलिस ने पूर्वी चंपारण जिले के राजाबाबू को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 5,000 रुपये के नकली नोट बरामद हुए थे। उसके भाई राज बाबू और पिता संजय बाबू की तलाश जारी है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि राजाबाबू के पिता संजय नेपाल से नकली नोट लाकर उन्हें उपलब्ध कराते थे, जिन्हें राजाबाबू और राज धार्मिक स्थानों पर खपाते थे। यह गिरोह 2023 से सक्रिय है और अब तक पांच लाख रुपये के नकली नोट खपा चुका है। राजाबाबू की गिरफ्तारी हनुमानगढ़ी क्षेत्र में आदर्श सोनी की दुकान पर हुई, जहाँ राजा ने नकली 500 रुपये का नोट चलाया था। दुकानदार को संदेह होने पर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राजाबाबू को तोताद्रि मठ के रास्ते से पकड़ा गया, जबकि उसका भाई राज फरार हो गया। मामले में पुलिस टीम का गठन किया है, जो नेपाल और उससे सटे बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में पड़ताल करेगी ताकि नकली नोट तस्करी के तार और वांछितों का पता लगाया जा सके। पुलिस बिहार से आरोपितों के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाएगी।

निमिषा प्रिया के जिंदा बचने की उम्मीद हो रही कम, पीड़ित के भाई ने फांसी की मांग की

-अटॉर्नी जनरल और जज को पत्र लिखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के जिंदा बचने की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। निमिषा को 16 जुलाई 2025 को ही फांसी मिलनी थी लेकिन भारत के एक मुस्लिम धर्मगुरु के हस्तक्षेप के बाद सजा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया गया। निमिषा को जिस यमनी नागरिक की हत्या के मामले में फांसी होनी है, अब उसके भाई ने पत्र लिखकर मांग की है कि उन्हें जल्द से जल्द सजा दी जाए। मृतक के भाई ने पत्र में साफ लिखा है कि परिवार सुलह या मध्यस्थता के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। दरअसल केरल निवासी निमिषा प्रिया 2017 के मामले में फांसी की सजा का सामना कर रही हैं जिसमें उन्होंने गलती से एक यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या कर दी थी। महदी के भाई अब्दुल फत्तेह अब्दो महदी ने यमन के अटॉर्नी जनरल और जज अब्दुल सलाम अल-हूती के नाम एक पत्र लिखकर सोशल मीडिया पर साझा किया है। पत्र में मृतक के भाई ने लिखा कि उनका परिवार चाहता है, निमिषा प्रिया को फांसी दी जाए। मूल रूप से अरबी भाषा में लिखे पत्र में महदी के भाई ने लिखा है, 16 जुलाई को फांसी की सजा स्थगित करने के बाद आधे महीने से ज्यादा समय हो चुका है और फांसी की सजा की नई तारीख तय नहीं हुई है। हम पीड़िता के वारिस, बदले की सजा को लागू करने के अपने वैध अधिकार का पूरी तरह से पालन करते हैं और सुलह या मध्यस्थता के सभी कोशिशों से इंकार करते हैं। पत्र में महदी के भाई ने मांग की कि फांसी की सजा को लागू करे और फांसी की नई तारीख तय की जाए।

विदेश में नौकरी दिलाने और वीजा के नाम पर 1 करोड़ से अधिक की ठगी

गांधीनगर (एजेंसी)। गांधीनगर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहाँ 10 लोगों से ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और कनाडा में परमानेंट रेजिडेंसी (पीआर) वीजा और नौकरी दिलाने के नाम पर 1 करोड़ से अधिक की ठगी की गई है। इस धोखाधड़ी का खुलासा फर्जी दस्तावेजों के द्वारा हुआ है। मामले में मुख्य आरोपी उर्जित कवि, अहमदाबाद का निवासी।

दिल्ली पुलिस ने बंगाली भाषा को 'बांग्लादेशी' बताया, भड़की सीएम ममता

-कहा - यह निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और बंगाली भाषी लोगों का अपमान

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाली और बंग्लादेशी भाषा को लेकर राजनीति गरमा गई है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे गए पत्र पर आपित्त जताई। उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा 3 अगस्त को लिखे गए पत्र को 'निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्रविरोधी और असंवैधानिक' बताया है। दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे पत्र में बंगाली या बांग्ला भाषा को ÷बांग्लादेशी भाषा÷ कहा था। बंगाली कलाकारों, ममता बनर्जी के साथ-साथ उनकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी पार्टी सीपीएम (सीपीएम) समेत अन्य दलों ने भी इसका विरोध किया, साथ ही उन्होंने एक्स पर पोस्ट में देशभर के लोगों से इसका विरोध करने की अपील भी की है।

ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि अब देखिए कैसे भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सीधे नियंत्रण में दिल्ली पुलिस बंगाली को 'बांग्लादेशी' भाषा बता रही है। बंगाली हमारी मातृभाषा है, रवींद्रनाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद की भाषा है, वह भाषा जिसमें हमारा राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत लिखे गए हैं, वह भाषा जिसे करोड़ों भारतीय बोलते और लिखते हैं और वह भाषा जो भारत के संविधान द्वारा पवित्र और मान्यता प्राप्त है, उसे अब बांग्लादेशी भाषा बताया जा रहा है। यह निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और असंवैधानिक है।

ममता बनर्जी ने आगे लिखा कि यह भारत के सभी बंगाली भाषी लोगों का अपमान है। वे ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं कर सकते जो हम सभी को नीचा और अपमानित करे। हम भारत की बंगाली-विरोधी सरकार के खिलाफ कड़े विरोध का आग्रह करते हैं, जो भारत के बंगाली-भाषी लोगों का अपमान करने के लिए ऐसी संविधान-विरोधी भाषा का प्रयोग कर रही है।

बता दें दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली स्थित पश्चिम बंगाल के राजकीय अतिथिगृह को पत्र लिखकर बांग्लादेश से अवैध रूप से आए आठ संदिग्ध व्यक्तियों के 'बांग्लादेशी भाषा' में लिखे दस्तावेजों के अनुवाद में सहायता मांगी थी। पुलिस ने इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, इस वजह से इसकी प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकती है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने गृह मंत्री अमित शाह से माफी मांगने की मांग की, जिनके मंत्रालय के अंतर्गत दिल्ली पुलिस आती है।

बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने ममता बनर्जी पर 'वोट बैंक की राजनीति' के लिए गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते कहा कि उनकी एक्स पोस्ट को 'एक बुरी तरह से रची राजनीतिक चाल' बताया है। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने टीएमसी पर भारतीय बंगालियों के लिए 'भय फैलाने की रणनीति' अपनाने और अवैध प्रवासियों को ÷बचाने÷ का आरोप लगाया है।

फिल्म डायरेक्टर श्रीजीत मुखर्जी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-'यह बांग्लादेशी भाषा नहीं

हैज्यह बांग्ला या बंगाली है, वही भाषा जिसमें आपका राष्ट्रगान मूल रूप से लिखा गया था और यह भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है।' गायक सुरोजित चटर्जी ने लिखा, 'बांग्ला को बांग्लादेशी भाषा कहा गया है. ठीक इसी तरह की अज्ञानता की मैं जिम्मेदार लोगों से अपेक्षा करता हूं. बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ।

फिर दिखी आतंकियों की हलचल- कुलगाम के बाद अब हीरानगर में मुठभेड़ की आशंका, सेना अलर्ट

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में एक बार फिर आतंकियों की संदिग्ध गतिविधियों के संकेत मिले हैं। शनिवार को कठुआ जिले के हीरानगर क्षेत्र में दो अज्ञात लोगों की संदिग्ध मौजूदगी ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर ला दिया है। घटना हीरानगर वार्ड नंबर 13 की है, जहां खेतों में घास काटने गईं दो-तीन महिलाओं ने ढोकला क्षेत्र की झाड़ियों के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों की हलचल देखी। इन महिलाओं ने तत्परता और साहस का परिचय देते हुए तुरंत स्थानीय लोगों और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस, बीएसएफ और एसओजी की टीमों ने संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। सूचना मिलते ही डीएसपी अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में एसओजी टीम, थाना प्रभारी आशीष शर्मा तथा बीएसएफ के अधिकारी और जवान मौके पर पहुंचे। पूरे ढोकला नर्सरी क्षेत्र की घेराबंदी कर घने खेतों, झाड़ियों और पगडंडियों में देर रात तक सघन तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि, इस तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध गिरफ्त में नहीं आया और कोई ठोस सुराग भी नहीं मिले, लेकिन गश्त और सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है।

नागरिक सतर्कता बनी सुरक्षा की मजबूत कड़ी-

इस घटनाक्रम में महिलाओं की सजगता ने साबित कर दिया कि अब सीमावर्ती इलाकों के नागरिक भी देश की सुरक्षा में सजग भागीदार बन रहे हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना दें। गौरतलब है कि हीरानगर, सांबा और कठुआ जैसे इलाके पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के बार-बार घुसपैठ प्रयासों का शिकार रहे हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में ड्रोन के जरिए भेजी गई हेरोइन की खेप को जब्त किया था। 15 अगस्त के मद्देनज़र सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही अलर्ट मोड में हैं और ड्रोन या सीमा पार घुसपैठ की संभावनाओं पर नजर रखी जा रही है।

जब एयर इंडिया की फ्लाइट में टहलने लगे कॉक्रोच, यात्रियों ने की शिकायत

-कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारकर की गई सफाई, मुंबई आ रही थी फ्लाइट

जम्म (एजेंसी)। मुंबई,(ईएमएस)। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट में कॉक्रोच होने की यात्रियों ने शिकायत की कि उनकी सीटों के नीचे कॉक्रोच टहल रहे हैं। इसके बाद दोनों यात्रियों को दूसरी सीटों पर शिफ्ट किया गया। कोलकाता में जब फ्लाइट उतरा तो सीटों के नीचे सफाई की गई। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि कोलकाता होकर सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जाने वाली फ्लाइट संख्या एआई180 में कॉक्रोच पाए गए थे जिसकी वजह से कुछ यात्रियों को असुविधा हुई। केबिन क्रू ने तुरंत यात्रियों के लिए दूसरी सीट की व्यवस्था की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एअर इंडिया ने कहा कि फ्लाइट ने फ्यूल भरने के लिए कोलकाता में लैंडिंग की। इसी दौरान ग्राउंड क्रू ने विमान की सफाई की। इसके बाद फ्लाइट मुंबई के लिए रवाना हुई। एयरलाइन ने कहा कि नियमित तौर पर साफ-सफाई के बावजूद ग्राउंड ऑपरेशन के दौरान कभी-कभी कॉक्रोच फ्लाइट में आ जाते हैं।

वहीं एक अन्य घटना में कोलकाता जा रहा एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान तकनीकी खराबी के कारण रविवार शाम बेंगलुरु वापस लौट आया था। जानकारी के मुताबिक एअरबस ए320 विमान द्वारा संचालित उड़ान आईएक्स2718 करीब दो घंटे से ज्यादा समय तक हवा में रही और इसके बाद वापस लौट गई। 'एअर इंडिया एक्सप्रेस' के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि बेंगलुरु से उड़ा विमान तकनीकी खराबी के कारण हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। विमान ने सुरक्षित लैंडिंग से पहले ईंधन और वजन कम करने के लिए हवा में चक्कर लगा रहा। यात्रियों को कोलकाता ले जाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की गई।

तेजस्वी यादव को नोटिस... बिफरे पप्पू यादव ने इलेक्शन कमीशन को संदिग्ध आयोग बता दिया

भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव को दो मतदाता पहचान पत्र मामले में चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा नोटिस जारी करने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम कर रहा है और यह खुद संदिग्ध आयोग बन गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अलादीन का चिराग नहीं है। उनका यह बयान तब आया जब आयोग ने तेजस्वी यादव को उनके ईपीआईसी (ईपीआईसी) कार्ड का विवरण मांगने के लिए नोटिस भेजा। सांसद यादव ने कहा कि भाजपा और मोदी जी भ्रम फैला रहे हैं। चुनाव आयोग अपने आप में एक संदिग्ध आयोग है। उन्होंने कहा है कि वे हर हाल में भाजपा के प्रवक्ता हैं।

दरअसल पटना में मौजूद निर्वाचन निबंधन अधिकारी ने तेजस्वी से उस ईपीआईसी कार्ड का विवरण देने को कहा था, जिसका जिक्र उन्होंने अपनी प्रेसवार्ता में किया था, ताकि मामले की गहन जांच हो सके। नोटिस में लिखा है कि तेजस्वी द्वारा प्रेसवार्ता में उल्लेखित ईपीआईसी नंबर आरएबी 2916120 आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया प्रतीत होता है। आयोग ने तेजस्वी से उल्लेखित ईपीआईसी कार्ड का विवरण (मूल प्रति सहित) उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी के मतदाता पहचान पत्र का वास्तविक ईपीआईसी नंबर आरएबी 0456228 है। आयोग ने बताया कि तेजस्वी का नाम मतदान केंद्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन) के क्रमांक 416 पर दर्ज है। इसके बाद बिहार में सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। जहां पप्पू यादव ने चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग की आलोचना कर आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग बिहार के लोगों के अधिकारों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह से भाजपा और चुनाव आयोग ने पिछले दरवाजों से एसआईआर पर हमला किया है, उससे बिहार और बिहारियों के अधिकारों पर हमला हुआ है। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त से राहुल गांधी और गठबंधन के नेता बिहार का दौरा करने वाले है।

बात दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उनका नाम मतदाता सूची से गायब है और उनका मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर बदल दिया गया है। इस दावे का खंडन करते हुए, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी का नाम मतदाता सूची के मसौदे में क्रमांक 416 पर शामिल है।

तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक को लेकर भूख हड़ताल पर बैठी बीआरएस नेता के.कविता

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के.कविता ने तेलंगाना में सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की तत्काल मंजूरी की मांग को लेकर सोमवार को 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है। यह हड़ताल हैदराबाद के धरना चौक पर चल रही है। बीआरएस नेता कविता ने अपनी हड़ताल से पहले कांग्रेस और भाजपा दोनों पर तेलंगाना के ओबीसी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक, जिसमें 42 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए लंबित है। इसके अतिरिक्त, राज्यपाल के स्तर पर एक अध्यादेश भी लंबित है। कविता ने मांग की है कि या विधेयक को तुरंत मंजूरी दी जाए या अध्यादेश को पारित किया जाए। उन्होंने कांग्रेस पर चुनाव के दौरान ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का वादा पूरा न करने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने भाजपा की इस शर्त की आलोचना की कि वह तभी आरक्षण देगी जब इसमें मुसलमान शामिल न हों। कविता ने ज़ोर दिया कि कांग्रेस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि राष्ट्रपति के पास भेजे गए 42 प्रतिशत आरक्षण विधेयक में मुसलमान शामिल हैं या नहीं। कविता के अनुसार, भूख हड़ताल का उद्देश्य इन राष्ट्रीय दलों के झूठ को उजागर करना और यह सुनिश्चित करना है कि हमें इन दोनों राष्ट्रीय दलों से किसी तरह की स्पष्टता मिले। यह भूख हड़ताल सोमवार सुबह 10 बजे से शुरू होकर 7 अगस्त को सुबह 10 बजे समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने उन्हें विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी, जिसके बाद उन्हें उच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा।

खदान में काम कर रहे थे श्रमिक, चट्टान गिरने से 6 प्रवासी मजदूरों की मौत

-10 घायल, ओडिशा सीएम ने मृतकों के परिजन को सहायता राशि देने की घोषणा

बापटला (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में बल्लीकुरवा के पास सत्यकृष्ण ग्रेनाइट खदान में चट्टानों का एक बड़ा हिस्सा ढह जाने से कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब एक चट्टान का हिस्सा ढह गया।

पुलिस के मुताबिक हादसा रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे उस समय हुआ जब 10 से 15 मजदूर खदान में काम कर रहे थे। ओडिशा के सीएमए मोहन चरण माझी ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सभी पीड़ित ओडिशा के रहने वाले हैं। संदेह है कि पानी रिसाव के कारण चट्टान खिसकी और हादसा हुआ है। घटनास्थल पर कोई विस्फोट या भूकंपीय गतिविधि नहीं थी। फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है। हादसे के बाद तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया जिसमें खनन विभाग के अधिकारी भी पुलिस के साथ थे।

ओडिशा सीएमओ ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि सीएम मोहन चरण माझी ने आंध्र प्रदेश में हुए हादसे में गंजाम जिले के दंड बड़त्या, बनमाल चेहरा, भास्कर बिसोई, संतोष गौड़ और गजपति जिले के ताकुमा दलाई, मूसा जान की मौत पर शोक व्यक्त किया है। सीएमओ ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शवों को ओडिशा लाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इस बीच आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर शोक जताया। नायडू ने कहा कि मैंने अधिकारियों से बात की है और उन्हें घायलों को सर्वोत्तम उपचार देने और हादसे के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने भी हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत हृदयविदारक घटना है। ये मजदूर अपने परिवारों के लिए मेहनत करते हुए जान गंवा बैठे।÷ रेड्डी ने सरकार से घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा देने और मृतकों के परिजनों को त्वरित सहायता प्रदान करने की अपील की।

ओडिशा सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में कम से कम आठ ओडिया मजदूर घायल हुए हैं और उन्हें आंध्र प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि जब हादसा हुआ उस वक्त खदान में कम से कम 16 मजदूर काम कर रहे थे। ओडिशा के उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने भी हादसे में मजदूरों की मौत पर शोक जताया है।

भारत से इजराइल खरीद रहा गाइडेड एडवांस्ड टैक्टिकल रॉकेट

-रेंज 10 किमी और 100 किमी/घंटा की रफ्तायर से लक्ष्यों को भेदने में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनी एनआईबीई लि ने हाल ही में इजराइल की रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एल्बिट सिस्टम से 70 मिमी क्लास की हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल गाइडेड एडवांस्ड टैक्टिकल रॉकेट का सौदा किया है। शनिवार को इस सौदे की घोषणा की गई। 6.12 करोड़ रुपए की लागत से इसे सितंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। यह सौदा भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का हिस?सा है, जिसके तहत स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाया जा रहा है। अब मन में सवाल उठता है कि गाटर मिलाइल क्या है, जो इजराइल भारत से खरीदा रहा है?

गाटर एक कॉस्ट-इफेक्टिव हाई प्रीसीजन (सटीकता) वाला रॉकेट है, जिसे मध्यम दूरी के टैक्टिकल हवाई अभियानों के लिए डिज़ाइन किया है। इसकी रेंज 10 किमी तक है और यह 100 किमी/घंटा तक की गति से चल रहे लक्ष्यों को भेद सकता है। गाटर में अत्याधुनिक सेमी-एक्टिव लेजर गाइडेंस सिस्टम है, जो इसे बेजोड़ सटीकता प्रदान करता है। यह 16 किलोग्राम का वारहेड ले जा सकता है, जो 200 मिमी तक प्रबलित कंक्रीट को भेदने में सक्षम है। यह रॉकेट एएच-64 अपाचे और एचएएल रुद्र जैसे कई हमलावर हेलीकॉप्टरों के साथ इंटीग्रेट यानी लोड हो सकता है। इजराइल को भारत से गाटर रॉकेट चाहिए, क्योंकि यह लागत प्रभावी और सटीक है। इसकी 10 किमी रेंज और लेजर गाइडेंस इसे शहरी युद्ध के लिए आदर्श बनाता है। एनआईबीई पुणे में स्थित रक्षा टेक्नोलॉजी क्षेत्र में इनोवेशन, स्वदेशीकरण और वैश्विक सहयोग पर केंद्रित है। यह कंपनी उन्नत रक्षा प्रणालियों के डिज़ाइन, निर्माण और इंटीग्रेशन में माहिर है। एल्बिट सिस्टम के साथ यह साझेदारी भारत में उच्च तकनीक वाले रक्षा उपकरणों के निर्माण की दिशा में एक कदम है।

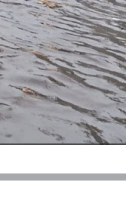

एनआईबीई इस ऑर्डर के तहत गाटर के पुर्जों का निर्माण और आपूर्ति करेगा, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों और वैश्विक सहयोगियों के लिए मिशन की सफलता और परिचालन सुरक्षा में वृद्धि होगी। यह सौदा भारत की रक्षा निर्यात क्षमता को दर्शाता है। एनआईबीई की यह उपलब्धि भारत को वैश्विक रक्षा बाजार में एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है। यह साझेदारी तकनीकी उन्नति और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी, खासकर पुणे के विनिर्माण क्षेत्र में। यह भारत-इजराइल रक्षा सहयोग को भी मजबूत करता है, जो हाल के ऑपरेशन सिंदूर के बाद और प्रासंगिक है।

भारी बारिश का कहर-यूपी के 17 जिलों में बाढ़, बिहार में बिजली गिरने से 6 की मौत, अब तक 275 की गई जान

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में जारी भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में हालात गंभीर बने हुए हैं, जबकि देशभर में मानसून इस बार सामान्य से 4प्रतिशत अधिक सक्रिय रहा है।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लखनऊ, अयोध्या और अंबेडकरनगर में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। बीते 24 घंटे में प्रदेश में बारिश संबंधी घटनाओं में 12 लोगों की जान चली गई है।

वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। वाराणसी के 84 घाट जलमग्न हो गए हैं और एक लाख से अधिक घरों में पानी भर गया। प्रयागराज की सड़कों पर नावों का संचालन शुरू कर दिया गया है, और हजारों लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ले चुके हैं। बताया जा रहा है कि 1978 के हालात न बनने पाएं इसलिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

मध्य प्रदेश में भी बारिश का कहर जारी है। बताया जा रहा है कि 16 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से अब तक 275 लोगों की मौत बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी है। कई नदियां और नाले उफान पर हैं।

बिहार में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। बीते 24 घंटे में बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई है। पटना समेत सभी 38 जिलों में सोमवार को बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका जताई है।

जानकारी अनुसार वर्ष 2025 में अब तक देशभर में सामान्य से 4.1 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। जून में 9प्रतिशत अधिक और जुलाई में 5प्रतिशत अधिक वर्षा हुई। यह स्थिति 2013 के बाद पहली बार देखने को मिली है, जब मानसून के शुरुआती दो महीनों में लगातार सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें राहत कार्यों में जुटी हुई हैं। प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस बल की मदद से राहत व बचाव अभियान जारी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सिख कारोबारी सुखी चहल की अमेरिका में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत, पुलिस जांच में जुटी

वाशिंगटन, एजेंसी। खालिस्तानियों का पुरजोर विरोध करने वाले सिख सुखी चहल की अमेरिका के कैलिफोर्निया में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सुखी चहल अमेरिका में ही रहकर कारोबार करते थे। वह अकसर खालिस्तान के विरोध में बयान भी दिया करते थे। जानकारों का कहना है कि उन्होंने अमेरिका में खालिस्तानियों की नाक में दम कर रखा था। सुखी के एक करीबी दोस्त जसपाल सिंह ने कहा कि शनिवार को उन्हें एक परिचित व्यक्ति ने डिनर पर बुलाया था। खाना खाने के बाद ही उनकी तबीयत खराब हो गई और मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पहले से सुखी को कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं थी। सुखी की अचानक मौत से कई सवाल भी उठ रहे हैं। विदेश में खालिस्तानियों की गतिविधियों के खिलाफ सुखी अकसर मोर्चा खोले रहते थे। वहीं वॉशिंगटन में खालिस्तानी संगठनों के जनमत संग्रह से पहले उनकी अचानक मौत ने राज और गहरे कर दिए हैं। 17 अगस्त का खालिस्तानी संगठन वॉशिंगटन डीसी में जनमत संग्रह करवाने वाले हैं। खालसा टुडे के संस्थापक और सीईओ सुखी चहल को अकसर खालिस्तानी धमकी देते रहते थे। इसके बाद भी वह निडर होकर खालिस्तानियों की आलोचना करते थे। सुखी के करीबी बूटा सिंह कलेर ने कहा कि उनकी मौत के बाद भारत का समर्थन करने वाले समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। कलेर ने कहा, पुलिस उनकी मौत की जांच कर रही है। ऑटोप्सी रिपोर्ट में सच सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा, सुखी हमेशा ही भारतीयों को यही सलाह देते थे कि अमेरिका में रहना है तो यहां के कानून का पालन करना पड़ेगा। इसके अलावा अपराध से दूर रहना होगा। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा था, अमेरिका में कानून व्यवस्था बेहद कड़ी है। अगर आप कानून तोड़ते हैं तो आपका वीजा रद्द हो सकता है और आपको अमेरिका से वापस जाना पड़ सकता है।

फिलिस्तीन की आजादी तक इजरायल से जंग रहेगी, हमास का हथियार छोड़ने से इनकार

गाजा, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध में शांति के दरवाजे एक-एक करके बंद होते नजर आ रहे हैं। इजरायल की तरफ से 60 दिन के सीजफायर के दिए गए प्रस्ताव को हमास ने अस्वीकार कर दिया है। हमास की तरफ से कहा गया है कि जब तक वह स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना नहीं कर लेते, तब तक हथियार नहीं छोड़ेंगे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक हमास ने बयान जारी करके कहा , वह सशस्त्र प्रतिरोध के अधिकार को तब तक नहीं छोड़ सकता जब तक कि यरूशलेम को अपनी राजधानी के रूप में एक स्वतंत्र, पूर्ण संप्रभु फिलिस्तीनी राज्यन बन जाए। हमास की तरफ से यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जबकि कतर, फ्रांस और मिस्त्र की मध्यस्थता में कुछ दिन पहले ही शांति प्रस्ताव को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत समाप्त हुई है। इसमें प्रस्ताव रखा गया था कि इस क्षेत्र में दो-राष्ट्र सिद्धांत को अपनाया जाएगा और हमास अपने हथियारों को फिलिस्तीनी प्राधिकरण को सौंप देगा। अब, जबकि हमास ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है, तो ऐसे में इसके भी ठंडे बस्ते में जाने की आशंका है। आपको बता दें इजरायली सरकार का शांति प्रस्ताव को लेकर सबसे बड़ी शर्त यही रही है कि हमास को हथियार डालने होंगे। वहीं दूसरी हो हमास लगातार इस बात पर अड़ा रहा है कि वह हथियार नहीं छोड़ेगा। दोनों पक्षों के बीच चल रही इस हां और न के बीच इजरायल लगातार गाजा में बम बरसा रहा है, जिससे अभी तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है और लाखों की संख्या में लोग भुखमरी की ओर बढ़ गए हैं। गौरतलब है कि पिछले महीने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भविष्य में फिलिस्तीनी राज्य के विचार को भी खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर यह बना तो यह इजरायल को नष्ट करने वाले एक मंच की तरह होगा। इतना ही नहीं उन्होंने फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने वाले यूके और कनाडा समेत कई देशों की आलोचना भी की थी।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में भूकंप के झटके

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के प्रमुख शहर न्यूयॉर्क में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप के इन झटकों की तीव्रता 3.0 रही। यूरोपीय भूकंपीय एजेंसी ने बताया कि भूकंप के झटके शनिवार रात करीब 10 बजे महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र मैनहट्टन शहर से 13 किलोमीटर दूर ग्रेटर न्यूयॉर्क इलाके में जमीन में 10 मीटर की गहराई में था। भूकंप में फिलहाल किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। इधर पाकिस्तान में रविवार देर रात भूकंप से धरती कांप उठी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.8 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप भारतीय समयानुसार आधी रात को करीब 12:40 बजे आया। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे पहले शनिवार को भी खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब और इस्लामाबाद सहित पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में 5.4 तीव्रता के भूकंप ने हलचल मचाई थी।

आपको गुमराह कर रहे मुनीर, पाकिस्तान में नहीं है तेल का भंडार, बलूच नेता ने ट्रंप को लिखा पत्र

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के साथ मिलकर तेल भंडार को विकसित करने के लिए उतावले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बलूच नेता ने पत्र लिखकर सच बताया है। बलूच नेता मीर यर बलूच ने ट्रंप से कहा है कि जनरल आसिम मुनीर ने आपको पाकिस्तान में तेल भंडार को लेकर गुमराह किया है। पाकिस्तान में कोई भी तेल या खनिज भंडार नहीं है। यह सब बलूचिस्तान में हैं।

पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ समझौते का एलान किया था। ट्रंप ने कहा था कि वे दक्षिण एशियाई देश के तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम उस तेल कंपनी का चयन करने की प्रक्रिया में हैं जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। इससे पहले पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने ट्रंप के साथ लंच किया था और अपने देश में तेल भंडार होने की जानकारी दी थी।

इस पर बलूच नेता मीर यार बलूच ने ट्रंप को पत्र लिखकर चेताया है। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि इस क्षेत्र में विशाल तेल और खनिज के भंडार हैं। लेकिन पूरे सम्मान के साथ बताना चाहते हैं कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व जनरल आसिम मुनीर ने आपको पाकिस्तान के भूगोल और स्वामित्व के बारे में गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि तेल, प्राकृतिक गैस, तांबा, लिथियम, यूरेनियम और दुर्लभ खनिज भंडार पाकिस्तान में नहीं हैं। बल्कि यह बलूचिस्तान में हैं। जो अलग संप्रभु राष्ट्र और पाकिस्तान के कब्जे में है। ये संसाधन पाकिस्तान के हैं, यह दावा पूरी तरह झूठ है। पाकिस्तान ने राजनीतिक और वित्तीय लाभ के लिए बलूचिस्तान की संपत्ति का दुरुपयोग करने का प्रयास किया है।

उन्होंने पत्र में लिखा कि बलूचिस्तान बिकाऊ नहीं है। हम बलूच लोगों की स्पष्ट सहमति के बिना पाकिस्तान, चीन या किसी अन्य विदेशी शक्ति को अपनी भूमि या उसके संसाधनों का दोहन करने की अनुमति नहीं देंगे। हमारी संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता और उचित स्वामित्व और स्वतंत्रता के लिए हमारा संघर्ष गरिमा और दृढ़ता के साथ जारी है। हम अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हैं कि वे इन सच्चाइयों को स्वीकार करें और बलूच लोगों की स्वतंत्रता और अपनी मातृभूमि तथा प्राकृतिक संपदा पर नियंत्रण की वैध आकांक्षाओं का समर्थन करें।

आपको बता दें मीर यार बलोच की तरफ से ट्रंप के नाम यह खत ऐसे समय में सामने आया है, जब ट्रंप ने भारत पर दवाब बनाने की रणनीति के चलते पाकिस्तान के साथ तेल को लेकर व्यापारिक समझौता किया है। ट्रंप का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ मिलकर उसके क्षेत्र में तेल की खोज करेंगे। दोनों देशों की खोज का मुख्य क्षेत्र बलूचिस्तान वाला जमीनी हिस्सा और समुद्री सीमा में ही होगा। ऐसे में बलूच नेताओं की चिंता जायज है। बलूच नेताओं की चेतावनी को हल्के में इसलिए भी नहीं लिया जा सकता क्योंकि इस क्षेत्र में चीन की मौजूदगी का वह बहुत लंबे समय से मुकाबला कर रहे हैं। इस मुकाबले में चीन और पाकिस्तान दोनों के काफी संसाधन खर्च हुए हैं और लोगों की जान गई है।

खैबर पख्तूनख्वा में मोर्टार के गोले को गेंद समझ खेल रहे थे बच्चे, फटने से 5 की मौत, 12 घायल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवात जिले में मोर्टार के गोले के फटने से 5 बच्चों की मौत हो गई। 12 घायल हो गए। बच्चों को यह गोला खेत में मिला था। इसे गेंद समझकर वह सोरबंद स्थित अपने गांव ले आए और खेलने लगे, तभी गोला फट गया। बन्नू क्षेत्र के पुलिस प्रवक्ता आमिर खान ने शनिवार को बताया कि घायलों को बन्नू के खलीफा गुल नवाज अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बन्नू क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी (आरपीओ) सज्जाद खान ने कहा कि प्रभावित परिवारों को पूरी सहायता मिलेगी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। आरपीओ ने कहा, बम निरोधक दस्ता विस्फोट स्थल पर पहुंचा था। फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। दरअसल, यह घटना पाकिस्तान में बिना फटे गोला-बारूद के लगातार बढ़ते खतरे को उजागर करती है। स्थानीय अखबार डॉन के अनुसार अक्टूबर 2023 में बलूचिस्तान के वाध में एक ग्रेनेड विस्फोट में बच्चे की मौत हुई थी। आठ घायल हुए थे। एक महीने पहले सिंध के काशमोर में एक घर में रॉकेट लॉन्चर के फटने से चार बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारी उन क्षेत्रों में सावधानी बरतने का आग्रह कर रहे।

यूक्रेन के परमाणु केंद्र पर हमला, अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी का दावा- धमाके के बाद धुंआ उठता देखा

कीव, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने शनिवार को दावा किया है कि यूक्रेन के एक परमाणु केंद्र पर हमला हुआ है। एजेंसी ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु केंद्र के नजदीक धमाके की आवाज सुनी और परमाणु केंद्र के एक हिस्से से धुंआ उठता देखा। अभी धमाके में हुए नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने दावा किया यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु केंद्र पर तैनात उनकी एक टीम ने शनिवार को परमाणु केंद्र के नजदीक धमाकों की आवाज सुनी और साथ ही नजदीकी ठिकाने से धुआं उठता देखा।

हमास कमांडर सलाह अल-दीन जारा को आईडीएफ ने मार गिराया, गाजा सुरंग में छिपे आतंकियों ने किया आत्मसमर्पण

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने हमास कमांडर सलाह अल-दीन जारा को मार गिराया है। वह हमास आतंकवादी संगठन में अल-फुरकान बटालियन का उप-कमांडर था। आईडीएफ का कहना है कि वह 24 जुलाई, 2025 को मारा गया। इसके अलावा, उत्तरी गाजा पट्टी के बेत हनून इलाके में सुरंग में छिपे आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। आईडीएफ के अनुसार, जारा पहले बटालियन की लड़ाकू सहायता कंपनी का कमांडर था। उसने गाजा पट्टी में इस्राइली नागरिकों और आईडीएफ बलों पर कई हमले करवाए थे।

100-200 नहीं, 1178 कैदियों को मिली रिहाई, राष्ट्रपति सुबियांतो की योजना के तहत लिया फैसला

जकारता, एजेंसी। इंडोनेशिया के नए राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने देश में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है। अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के पहले दो महीनों में ही उन्होंने सैकड़ों कैदियों को माफी देकर रिहा करने की प्रक्रिया शुरू की है। इस फैसले में राजनीतिक अपराधों में सजा काट रहे कई लोगों को भी रिहा किया गया है। इसे राष्ट्रपति की 'यूनिटी प्लान' यानी राष्ट्रीय एकता योजना का पहला चरण माना जा रहा है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति सुबियांतो द्वारा हस्ताक्षरित राष्ट्रपतीय डिक्री के तहत 1178 कैदियों को शुक्रवार को रिहा किया गया। संसद के उपाध्यक्ष सफमी डास्को अहमद और कानून मंत्री सुप्रातमान एंडी आगतास ने इसकी घोषणा की। यह पहला चरण है, जिसमें कुल 44,000 कैदियों को रिहा किए जाने की योजना है। प्राथमिकता राजनीतिक कैदियों, बीमार, बुजुर्ग, नाबालिग और धार्मिक भावनाओं को लेकर सजा पाए लोगों को दी जा रही है। पीडीआई-पी नेता हास्तो क्रिस्तियान्तो को मिली रिहाई इस रिहाई सूची में इंडोनेशियाई डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ स्ट्रगल के महासचिव हास्तो क्रिस्तियान्तो भी शामिल हैं, जो देश की इकलौती

औपचारिक विपक्षी पार्टी के नेता हैं। वे भ्रष्टाचार के एक मामले में साढ़े तीन साल की सजा काट रहे थे। फरवरी से दक्षिण जकार्ता की भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी की हिरासत में थे। रिहाई के बाद उन्होंने समर्थकों से कहा कि हमें इस घटना से सीख लेनी चाहिए।

पूर्व मंत्री टॉम लेम्बॉन्ग पर भी केस वापस पूर्व व्यापार मंत्री टॉम लेम्बॉन्ग, जो पहले राष्ट्रपति जोको विडोडो के करीबी थे और बाद में प्रतिद्वंद्वी अनिस बसवेदान का समर्थन करने लगे, उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई भी वापस ले ली गई है। उन पर 2024 के चुनाव के दौरान चीनी आयात लाइसेंस में गड़बड़ी का आरोप था। पश्चिम पापुआ के अलगाववादी कार्यकर्ता भी रिहा इस रिहाई की सूची में पश्चिम पापुआ के छह स्वतंत्रता समर्थक कार्यकर्ता भी शामिल हैं, जिन्हें देशद्रोह के आरोप में कैद किया गया था। सरकार का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करने की दिशा में है और ऐसे लोगों को रिहा किया जा रहा है, जिन्होंने किसी न किसी रूप में देश की सेवा की है। दूसरी सूची में और 1668 कैदी होंगे शामिल कानून मंत्री आगतास ने बताया कि जल्द ही दूसरी सूची भी संसद में पेश की जाएगी, जिसमें 1668 और कैदियों के नाम होंगे। इस पूरे अभियान को राष्ट्रपति सुबियांतो की नई और समावेशी नीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसका मकसद देश में राजनीतिक और सामाजिक ध्रुवीकरण को खत्म करना है।

लंदन में आमने-सामने प्रवासियों के समर्थक और विरोधी, होटल के बाहर किया गया जोरदार प्रदर्शन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में शनिवार को प्रवासियों को लेकर दो विरोधी गुटों के बीच टकराव हुआ। ये प्रदर्शन एक होटल के बाहर हुए, जहां शरणार्थियों को ठहराया गया है। एक तरफ कई सौ लोग यूनियन जैक (ब्रिटेन का झंडा) लहराते हुए थिसल सिटी बार्बिकन होटल के बाहर इकट्ठा हुए। उन्होंने होटल में रह रहे प्रवासियों के खिलाफ नारे लगाए जैसे- ब्रिटेन भर गया है और गंदे लोग। उनका कहना था कि यह होटल प्रवासियों के लिए बंद कर दिया जाना चाहिए। दूसरी ओर, एक बड़ी संख्या में लोग शरणार्थियों का स्वागत है जैसे नारे लगाते हुए इनका विरोध कर रहे थे। पुलिस ने दोनों गुटों को अलग-अलग रखने के लिए मोर्चा संभाला। होटल के अंदर मौजूद लोग इन विरोध प्रदर्शनों को खिड़कियों से देख रहे थे। ऐसे ही प्रदर्शन हाल ही में लंदन के बाहरी इलाके एपिंग में भी हुए, जहां एक प्रवासी पर यौन शोषण का आरोप लगा था। इसके अलावा इंग्लैंड के कई अन्य शहरों में भी प्रवासी-विरोधी प्रदर्शन हुए हैं। प्रदर्शनकारी कह रहे हैं कि वे प्रवासियों

से सुरक्षा को खतरा महसूस कर रहे हैं, खासकर वे प्रवासी जो हाल ही में छोटी नावों से इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन पहुंचे हैं। इनमें से ज्यादातर युवा पुरुष हैं। इन प्रदर्शनों में कुछ स्थानीय लोग शामिल हुए, लेकिन कई प्रदर्शन दक्षिणपंथी (फार-राइट) गुटों की तरफ से आयोजित या समर्थित भी थे। एक साल पहले, गर्मियों के मौसम में कई दिनों तक इंग्लैंड और नॉर्दर्न आयरलैंड में प्रवासी विरोधी दंगे हुए थे। तब भीड़ ने प्रवासियों को ठहराने वाले होटलों, मस्जिदों, पुलिस स्टेशनों और एक पुस्तकालय पर हमला किया था। कुछ हमलावरों ने गैर-श्वेत लोगों को भी निशाना बनाया था, और पुलिस पर ईंटें और आतिशबाजियां फेंकी थीं। इस हिंसा की शुरुआत साउथपोर्ट शहर में एक डांस क्लास के दौरान हुई थी, जहां तीन लड़कियों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैली कि हमलावर कोई नया प्रवासी है, जबकि असल में हत्यारा ऐक्सेल रूडकुबाना एक ब्रिटिश जन्मा 17 साल का युवक था। वहीं इसे लेकर तमाम विशेषज्ञ और सामाजिक संगठन कह रहे हैं।

कबाइली इलाकों में सैन्य अभियान के खिलाफ इमरान खान, अपनी पार्टी के सीएम से कहा- आप इसकी मंजूरी न दें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने खैबर पख्तूनख्वा के अपनी पार्टी के सीएम से कहा है कि वे अपने राज्य में सेना के अभियान को मंजूरी न दें। इमरान खान ने मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर को स्पष्ट संदेश में कहा है कि संघीय सरकार को खैबर पख्तूख्वा और उसके कबाइली इलाकों में एक और सैन्य अभियान शुरू करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इमरान का यह बयान ऐसे समय में आया है जब सुरक्षा बलों ने तोपखाने और गनशिप हेलीकॉप्टरों के साथ इस हफ्ते की शुरुआत में बाजौर जिले की लोवी मामुंड तहसील में ऑपरेशन सरबकाफ शुरू किया था। सेना ने इस क्षेत्र में तीन दिनों का कर्फ्यू लगा दिया है, जिस पर पीटीआई नेतृत्व ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक संदेश में इमरान खान ने कहा, मैं अली अमीन को स्पष्ट संदेश देता हूं कि संघ को खैबर पख्तूनख्वा और कबाइली इलाकों में एक और सैन्य अभियान चलाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सेना और जनता के बीच टकराव सैन्य संस्था को नष्ट कर देता है। अभियान किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं। मुद्दों को वहां की व्यवस्था के अनुसार बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि इमरान खान इस अकाउंट को खुद संचालित नहीं करते। इमरान खान के सोशल मीडिया पोस्ट में ये भी कहा गया है कि अफगानिस्तान हमारा मुस्लिम पड़ोसी देश है। उनके साथ भी संबंध बेहतर करने की कोशिश होनी चाहिए और बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाया जाना चाहिए। इमरान खान के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने अपने निजी एक्स अकाउंट पर साझा पोस्ट में कहा कि उन्होंने इमरान खान की बात को ध्यान में रखते हुए प्रांत में कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए पहले ही कई जिरगाओं की बैठक कराई थी। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते की शुरुआत में गंडापुर ने उग्रवादियों के खिलाफ सैन्य अभियान समर्थन किया था।

हमारी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या बहुत ज्यादा, अब रूसी सांसद की ट्रंप को चुनौती

मॉस्को, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने के आदेश पर रूस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। रूस की संसद डूमा के एक वरिष्ठ सदस्य विक्टर वोडोलात्स्की ने कहा है कि विश्व महासागरों में रूसी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या अमेरिका की तुलना में कहीं अधिक है, और अमेरिकी पनडुब्बियां पहले से ही रूसी कंट्रोल रूम के रडार में हैं।

वोडोलात्स्की ने रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस से कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिन पनडुब्बियों को उपयुक्त क्षेत्रों की ओर भेजने की बात कही है, वे पहले से ही हमारे नियंत्रण के अंतर्गत हैं। इसलिए रूसी संघ की ओर से कोई विशेष प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है।ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा था कि उन्होंने दो अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों को उन क्षेत्रों की ओर भेजने का आदेश दिया है, जहां उत्तेजक गतिविधियांबढ़ रही हैं। ट्रंप की यह प्रतिक्रिया रूस के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव के कथित भड़काऊ बयानों के बाद आई।

वोडोलात्स्की ने चुनौती भरे अंदाज में कहा, अमेरिका की दो पनडुब्बियों को आने दीजिए, वे पहले से ही हमारे निशाने पर हैं। अब जरूरत है कि रूस और अमेरिका के बीच एक मौलिक समझौता हो, जिससे दुनिया भर में तीसरे विश्व युद्ध को लेकर जारी अटकलें समाप्त हों।इस बीच, रशिया इन ग्लोबल अफेयर्स पत्रिका के प्रधान संपादक फ्योदोर लुक्यानोव ने ट्रंप के बयान को फिलहाल गंभीरता से न लेने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, ट्रंप अपने चैनल पर अपनी भावनाओं के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। अमेरिकी सशस्त्र बल और नौसेना ने शायद यह बयान आश्चर्य से पढ़ा होगा। यदि यह वाकयुद्ध यूं ही चलता रहा, तो ट्रंप को वास्तव में कुछ कदम उठाने पड़ सकते हैं, लेकिन अभी यह केवल शब्दों तक सीमित है। ट्रंप के बयान के बाद रूसी शेयर बाजार पर भी असर देखने को मिला। मॉस्को एक्सचेंज इंडेक्स शुक्रवार शाम 8:01 बजे (भारतीय समय अनुसार 10:31 बजे रात) तक 2,709.26 अंक (0.99प्रतिशत) गिर गया। इस घटनाक्रम के बीच, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के हालिया बयान का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने अमेरिका और रूस के बीच प्रत्यक्ष सैन्य टकराव से बचने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में हनीट्रैप गिरोह का पर्दाफाश

व्यापारी को फंसाकर पुलिस की फर्जी पहचान से बलात्कार के केस में फंसाने की धमकी,5.80 लाख रुपये की वसूली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के खोलवड़ इलाके में एक अधेड़ व्यापारी से हनीट्रैप के जरिए ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है।

महिलाओं समेत 9 लोगों के एक गिरोह ने पहले व्यापारी को अपने जाल में फंसाया, फिर खुद को पुलिसकर्मी बताकर बलात्कार के केस में फंसाने की धमकी दी और उससे 5.80 लाख की वसूली की।

पीड़ित व्यापारी ने जब समाचारों में पढ़ा कि पुलिस हनीट्रैप के शिकार लोगों की मदद कर रही है, तब उसने हिम्मत कर लसकाणा पुलिस से संपर्क किया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 6 अन्य की तलाश जारी है।

हेमलता की मदद से शुरू हुआ हनीट्रैप

घटना अगस्त 2024 की है, जब खोलवड़ निवासी रमणभाई (बदला हुआ नाम) मोबाइल के जरिए हेमलता खेंनी के संपर्क में आए। हेमलता लगातार रमणभाई से बातचीत करती रही और एक दिन मेडिकल इमरजेंसी का हवाला देकर 10,000 की मदद मांगी।

बाद में उसने रमणभाई को श्यामधाम के पास लक्ष्मी सोसायटी स्थित अपने घर बुलाया, जहां रमणभाई पहुंचे।

वहां हेमलता ने उन्हें चाय पिलाई और चाय के दौरान दो अजनबी महिलाएं भी उनके पास आकर बैठ गईं और शारीरिक छेड़छाड़ जैसा बर्ताव करने लगीं।

गिरोह के लोग पहुंचे और धमकाने लगे तभी वहाँ रमेश नावडिया, संजय सुदानी, राहुल कथीरिया, माया सईदा, केतन भादाणी और याज्ञिक लाठिया सहित कुल 6 लोग पहुंच गए।

इन लोगों ने रमणभाई को धमकाया कि -''तुम यहां वेश्यालय चलाने आए हो, तुम दलाली कर रहे हो'' और खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए फर्जी पुलिस आईडी कार्ड दिखाए।

बलात्कार के झूठे केस में फंसाने की धमकी और फिर वसूली

गिरोह ने रमणभाई से 10 लाख की मांग की और फिर मामला 6 लाख में सुलझाने की बात कही। डरे हुए रमणभाई ने अपने एक मित्र से मदद मांगी और 5.60 लाख नकद दिलवाए, साथ ही खुद के पास रखे 20,000 भी आरोपियों को दे दिए।

इसके बाद आरोपियों ने धमकी दी कि-''अगर किसी को बताया तो बलात्कार और अन्य फर्जी मामलों में फंसा देंगे।'' और रमणभाई को वहां से भगा दिया।

पुलिस में शिकायत के बाद कार्रवाई सूरत पुलिस द्वारा अखबारों में हनीट्रैप पीड़ितों की मदद करने की खबरें पढ़ने के बाद रमणभाई ने हिम्मत जुटाकर लसकाणा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रमेश नावडिया, संजय सुदानी और राहुल कथीरिया को गिरफ्तार किया।

गिरोह पहले भी कुख्यात, 17 लाख की ठगी कर चुका

लसकाणा पुलिस ने हेमलता खेंनी (पटेल), रमेश नावडिया, संजय सुदानी, राम काकड़िया, माया सईदा, राहुल कथीरिया, केतन भादाणी, याज्ञिक लाठिया और एक अन्य महिला के खिलाफ केस दर्ज किया है।

यह गिरोह पहले भी हनीट्रैप के लिए कुख्यात रहा है।

पिछले साल क्राइम ब्रांच ने इन्हें रांदेर के एक जैन व्यापारी से 17 लाख की ठगी के मामले में गिरफ्तार किया था।

निष्कर्ष- यह मामला दिखाता है कि कैसे संगठित गिरोह हनीट्रैप और फर्जी पुलिस पहचान के जरिए व्यापारियों से पैसे ऐंठने में लगे हैं।

पुलिस की सक्रियता से तीन आरोपी पकड़े गए हैं और अन्य की तलाश तेज कर दी गई है।

यह भी लोगों के लिए चेतावनी है कि किसी अनजान व्यक्ति से संबंध बनाते वक्त सतर्क रहें।

अवैध संबंध बना खूनी खेल का कारण

अहमदाबाद में पुलिस कॉन्स्टेबल की हत्या और पत्नी की आत्महत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य में मारपीट, हत्या और आत्महत्या जैसी घटनाएं सामने आती रहती हैं। ऐसी ही एक चौंकाने वाली घटना अहमदाबाद से सामने आई है, जहां पत्नी ने पुलिसकर्मी पति के सिर पर भारी वस्तु से वार कर उसकी हत्या कर दी। यह घटना दाणीलीमड़ा पुलिस लाइन की है। पति की मौत के बाद पत्नी ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हत्या व आत्महत्या के इस मामले में जांच शुरू की।

प्राथमिक जांच के अनुसार अहमदाबाद शहर की दाणीलीमड़ा पुलिस लाइन में रहने वाले मुकेशभाई परमार (उम्र 34) ए डिवीजन ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में ड्यूटी पर तैनात थे। आज (4 अगस्त) सुबह मुकेश और उनकी पत्नी संगीता के बीच झगड़ा हुआ था, जिसमें पड़ोसियों ने बीच-बचाव करके मामला शांत कराया। लेकिन दोपहर बाद फिर से तनाव बढ़ा। दूसरे झगड़े के दौरान मुकेश ने कथित रूप से पत्नी संगीता पर हेलमेट फेंका, जिससे गुस्से में आकर संगीता ने पलंग की पायेदारी से मुकेश के सिर पर वार कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से मुकेश खून से लथपथ होकर गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।

घटना से घबराकर संगीता ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय उनका आठ वर्षीय बेटा घर में मौजूद था, जो डरकर बाहर भागा और रोते-चिल्लाते मदद के लिए गुहार लगाई। पड़ोसी जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को मृत घोषित कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मृतक मुकेश मूल रूप से राजकोट जिले के विन्छिया तालुका के खड़काणा गांव के रहने वाले थे। वह 7 मार्च 2012 से गुजरात पुलिस में कार्यरत थे और 20 दिसंबर 2023 को अहमदाबाद ट्रैफिक विभाग में नियुक्त हुए थे।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पति-पत्नी के बीच अक्सर घरेलू कलह होती थी। प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि मुकेश का सुरेंद्रनगर की एक महिला से अवैध संबंध था। सूत्रों के अनुसार मुकेश समय-समय पर उस महिला के साथ रहा करते थे, जिससे पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद होता था। इस हत्या से पहले भी इसी कारण से उनके बीच झगड़ा हुआ था। पुलिस अब उस महिला समेत रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है ताकि घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने लाई जा सके।

5000 के इनामी आरोपी को पकड़ा गया

सरकारी वाहन को नुकसान पहुंचाने वाला आरोपी सूरत की सोलर कंपनी में करता था काम

राजस्थान के पुलिसकर्मी की हत्या का प्रयास

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजस्थान के डूंगरपुर जिले के साबला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक पुलिसकर्मी पर पथराव कर उसे जान से मारने की कोशिश करने और सरकारी वाहन को नुकसान पहुंचाने वाले फरार आरोपी को सूरत की उधना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस आरोपी पर राजस्थान पुलिस ने 5,000 का इनाम घोषित किया था।

13 अगस्त 2024 को राजस्थान के डूंगरपुर जिले के साबला पुलिस थाने को कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि 10 से 12 लोग तूफान होटल के पास शराब पीकर झगड़ा कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस वैन मौके पर पहुंची थी। पुलिस को देखकर आरोपी ने पुलिसकर्मी पर पत्थरों से हमला कर दिया था। इस हमले में पुलिसकर्मी को गंभीर चोटें आई थीं और सरकारी वाहन को भी काफी नुकसान हुआ था। आरोपी ने सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई थी। इस घटना के बाद साबला पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया था।

इस मामले में शामिल आरोपी का नाम जिगर प्रभुलालजी मीणा (उम्र 20 वर्ष, पेशा मजदूरी) है। वह मूल रूप से गांव मसलेया, थाना इटावा, जिला डूंगरपुर (राजस्थान) का रहने वाला है। हालांकि पिछले कुछ समय से वह सूरत के उधना स्थित पारसी कंपाउंड के मकान नंबर 12 में रह रहा था और एक सोलर कंपनी में वर्कर के तौर पर काम कर रहा था।

राजस्थान में अपराध करने के बाद वह फरार हो गया था और सूरत में छिपा हुआ था। राजस्थान पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 5,000 का इनाम घोषित किया था। मुखबिर की सूचना के आधार पर उधना पुलिस स्टेशन की टीम ने कार्रवाई कर जिगर मीणा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कानूनी प्रक्रिया के तहत राजस्थान पुलिस को सौंपा जाएगा।

सूरत पुलिस को 25 लाख की आधुनिक तकनीक वाले नए 8 ड्रोन मिले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में अपराधों पर काबू पाने और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के लिए सूरत पुलिस को 25 लाख रुपये की लागत से आधुनिक तकनीक वाले 8 नए ड्रोन मिले हैं। इन नए ड्रोन के मिलने से अब सूरत पुलिस के पास कुल 20 ड्रोन हो गए हैं। आने वाले त्योहारों के दौरान पुलिस इन 20 ड्रोन की मदद से शहर के संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सर्च ऑपरेशन और कॉम्बिंग कर सकेगी। ये 20 ड्रोन 'पुलिस की तीसरी आंख' के रूप में कार्य में सहायक बनेंगे।

आगामी समय में सूरत पुलिस एक विशेष ऑपरेशन शुरू करने जा रही है, जिसके तहत पांच पुलिस थानों के अंतर्गत आने वाले संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों की सूची तैयार की गई है। इनमें सलाबतपुरा, डिंडोली, उधना, लिम्बायत और पांडेसरा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इन इलाकों में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण पाने के लिए ड्रोन का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाएगा।

डीजीपी की ओर से मिले 8 ड्रोन, साक्ष्य के रूप में भी होंगे उपयोगी: पुलिस कमिश्नर सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत ने बताया कि डीजीपी द्वारा 25 लाख रुपये की लागत से सूरत शहर को 8 नए ड्रोन दिए गए हैं। पहले सूरत पुलिस के पास 12 ड्रोन थे और अब इन 8 नए ड्रोन के मिलने से कुल संख्या 20 हो गई है। इन ड्रोन का उपयोग भीड़भाड़ और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी और पेट्रोलिंग के लिए किया जाएगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन ड्रोन से प्राप्त फुटेज को अदालत में साक्ष्य (एविडेंस) के रूप में भी प्रस्तुत किया जा सकेगा, जिससे अपराधों को सुलझाने में काफी मदद मिलेगी।

आगामी त्योहारों में ड्रोन बनेंगे पुलिस की तीसरी आंख

कमिश्नर ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में जब विभिन्न त्योहारों के अवसर पर भारी भीड़ एकत्र होती है, तो सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए ये ड्रोन बेहद उपयोगी साबित होंगे।

सभी ड्रोन का निरीक्षण किया गया, जिसमें सूरत शहर के सभी डीसीपी, एसीपी और पीआई अधिकारी भी शामिल हुए। उन्हें ड्रोन ऑपरेशन कैसे करना है, इस बारे में मार्गदर्शन भी दिया गया।

सूरत नगर निगम की स्कूलों में वितरित नोटबुक के कवर पेज पर भाजपा नेताओं की तस्वीरें,विवाद का विषय

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में भाजपा नेताओं ने अब सरकारी स्कूल के छात्रों को भी अपनी राजनीति का हिस्सा बना दिया है। सूरत नगर निगम की शिक्षा समिति द्वारा वितरित की गई नोटबुक्स के कवर पेज पर सरदार पटेल, गांधीजी, बाबासाहेब अंबेडकर, भगत सिंह या स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरुषों की बजाय नरेंद्र मोदी, अमित शाह, भूपेंद्र पटेल, जे.पी. नड्डा और सी.आर. पाटिल के फोटो छपे हुए हैं।

इसको लेकर विपक्ष ने समिति की सामान्य सभा में विरोध जताते हुए सवाल किया कि - ''इन नेताओं का बच्चों की शिक्षा में क्या योगदान है?''

जबकि सत्ता पक्ष ने इन तस्वीरों को सही ठहराते हुए कहा कि - ''ये हमारे प्रेरणा स्रोत हैं और भाजपा की सत्ता है, विपक्ष जो कहे वो नहीं चलेगा, जो हम कहेंगे वो होगा।''

सूरत महानगरपालिका की शिक्षा समिति द्वारा शासकीय स्कूलों के छात्रों को जो नोटबुक वितरित की गई है, वह अब एक राजनीतिक बहस का मुद्दा बन चुकी है। विपक्षी नेताओं ने इसे लेकर कड़ा विरोध दर्ज किया है और शासकों पर शिक्षा में राजनीति घुसाने का गंभीर आरोप लगाया है।

सामान्य सभा में विपक्ष के नेता राकेश हीरपरा ने वह नोटबुक लेकर विरोध जताया।

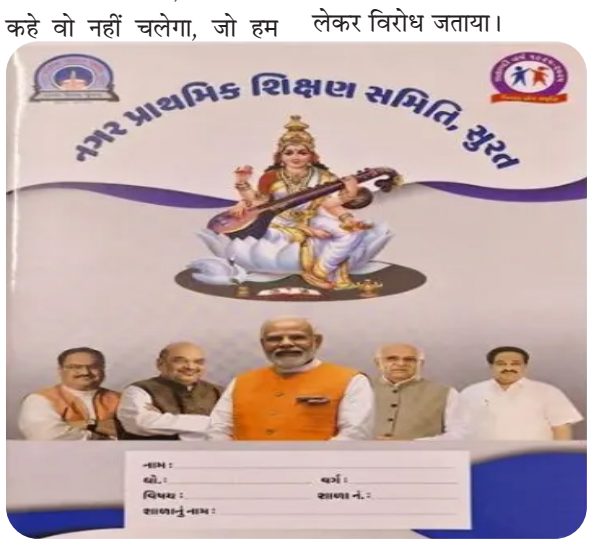

विपक्ष का कहना था कि - ''अगर शिक्षा की बात है तो गुजरात के शिक्षा मंत्री या महापुरुषों जैसे गांधीजी, अंबेडकर के फोटो होने चाहिए, न कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं के।''

शासक पक्ष इस सवाल का कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सका और आक्रामक हो गया। जब विपक्ष ने इसे शिक्षा में राजनीतिक प्रभाव डालने का मामला बताया, तो भाजपा नेताओं ने इसे सत्ता का निर्णय बताया और कहा कि -''विपक्ष की नहीं, हमारी चलेगी।''

निष्कर्ष:-इस पूरे घटनाक्रम को लेकर विपक्ष ने मांग की है कि स्कूल की नोटबुकों के कवर पेज से राजनीतिक नेताओं की तस्वीरें हटाई जाएं, क्योंकि उनका बच्चों की शिक्षा से कोई सीधा संबंध नहीं है। यह मुद्दा अब सार्वजनिक बहस का विषय बन चुका है और शिक्षा के क्षेत्र में राजनीति की घुसपैठ पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आंगडिया कंपनियों को ठगने वाली अंतरराज्यीय गैंग के दो आरोपी गिरफ्तार

क्रिकेट सट्टा और डमी सिम कार्ड का इस्तेमाल कर छत्तीसगढ़ की आंगडिया फर्म से 54.37 लाख की ठगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराज्यीय ठगी गैंग का भंडाफोड़ किया है, जो क्रिकेट सट्टा और नकली सिम कार्ड का उपयोग करके आंगडिया फर्मों से ठगी करती थी। क्राइम ब्रांच ने इस गैंग के दो आरोपियों — अमितकुमार शंकरलाल खत्री और अनिलकुमार चमनलाल मथरानी को गिरफ्तार किया है और इनके पास से 12,71,000 का माल जब्त किया गया है।

इस गैंग ने छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित 'महादेव एंटरप्राइज' नामक आंगडिया फर्म के कर्मचारी को निशाना बनाकर करीब 54.37 लाख की ठगी की थी। आरोपियों की प्रारंभिक पूछताछ में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

वे पहले क्रिकेट सट्टा के धंधे में सक्रिय थे। इस दौरान उन्होंने पालनपुर से डमी (फर्जी) सिम कार्ड खरीदे, जिनका इस्तेमाल वे सट्टा में करते थे।

इन्हीं सिम कार्डों का उपयोग कर उन्होंने आंगडिया कंपनियों को ठगने की एक सोची-समझी योजना बनाई। बड़ी फर्मों की झूठी पहचान बनाकर पैसे मंगवाते आरोपी अलग-अलग आंगडिया फर्मों को बार-बार निशाना बनाते थे।वे फर्जी नंबर से कॉल करके खुद को राजकोट जैसे शहर के बड़े व्यापारी के रूप में पेश करते थे।